PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 241 ● भिलाई, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पहली बार घरेलू उड़ानों के लिए जेट ईंधन की कीमत 2 लाख के पार

नई दिल्ली। देश में हवाई यात्रियों को जल्द ही महंगे किराए का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, जेट फ्यूल की कीमतों में पिछले एक महीने में दोगुने से अधिक की बढ़ोतरी हुई है, जिससे एयरलाइंस की लागत में भारी इजाफा हुआ है। तेल कंपनियों द्वारा जारी अप्रैल माह के नए रेट के अनुसार, घरेलू उड़ानों के लिए जेट ईंधन की कीमतों में करीब 115 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए लगभग 107 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रुपये में लगातार गिरावट ने भी एयरलाइंस पर अतिरिक्त दबाव डाला है। नई दरों के बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जेट फ्यूल की कीमत बढ़कर 2,07,341 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, जबकि पिछले महीने यह 96,638 रुपये प्रति किलोलीटर थी। यानी इसमें लगभग 114 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अन्य महानगरों में भी कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। मुंबई में जेट फ्यूल की कीमत 90,451 रुपये से बढ़कर 1,94,968 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, जो करीब 115 प्रतिशत की वृद्धि है।

अवैध हथियारों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से एक संभावित आपराधिक घटना को समय रहते टाल दिया गया। जानकारी के अनुसार, हाल के दिनों में क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए स्पेशल स्टाफ को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में एसीपी ऑप्स पवन कुमार की निगरानी में इंस्पेक्टर जितेंद्र मलिक के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम में एसआई अमन, हेड कांस्टेबल विनीत, विशाल, नरेश और कांस्टेबल सनोज शामिल थे, जो लगातार जमीनी और डिजिटल स्तर पर निगरानी कर रहे थे। पिछले 24 घंटों के दौरान सोशल मीडिया मॉनिटरिंग से टीम को अहम इनपुट मिला कि कुछ संदिग्ध युवक अवैध हथियारों के साथ इलाके में घूम रहे हैं।

कश्मीर के गांदरबल में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

गांदरबल । कश्मीर के गांदरबल जिले के अराहमा इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच जारी मुठभेड़ दूसरे दिन भी जारी है। इस ऑपरेशन में अब तक एक आतंकवादी को मार गिराया गया है, जबकि क्षेत्र में अभी भी 1-2 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। भारतीय सेना के अनुसार, 31 मार्च की रात रुक-रुक कर हुई फायरिंग के बीच सुरक्षाबलों ने अपनी घेराबंदी को सामरिक रूप से फिर से मजबूत किया। आतंकियों की ओर से हुई गोलीबारी का प्रभावी जवाब दिया गया, जिसमें एक आतंकवादी ढेर हो गया। यह संयुक्त अभियान भारतीय सेना की 2 असम रेजिमेंट, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ द्वारा चलाया जा रहा है।

किरेन रिजिजू ने दिए संकेत-कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप

विधानसभा चुनावों के बीच पास होगा महिला आरक्षण बिल

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद से इस वक्त बड़ी खबर सामने आ रही है। गुरुवार 2 अप्रैल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने वाला बजट सत्र खत्म नहीं हुआ है। सरकार ने इसे आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब राज्यसभा और लोकसभा में सभी सांसद एक छोटे से ब्रेक के बाद 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर से बैठेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार का पूरा फोकस अब 'महिला आरक्षण कानून' को जल्द से जल्द जमीन पर उतारने पर है। इसके लिए लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 816 करने की तैयारी है। इसी से जुड़े बिल और अन्य जरूरी संविधान संशोधनों को पास कराने के लिए संसद को दोबारा बुलाया जा रहा है। यह सत्र 16 अप्रैल से लेकर 18 अप्रैल तक चलेगा। गुरुवार को जब सदन की कार्यवाही चल रही थी, तब राज्यसभा के उप-सभापति हरिवंश ने सदन को 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की। पहले के तय कार्यक्रम के मुताबिक, 28 जनवरी से शुरू हुआ बजट सत्र आज यानी 2 अप्रैल को ही समाप्त होने वाला था। लेकिन सरकार के एजेंडे में कुछ बड़ा और जरूरी काम बाकी है, जिसके चलते इस शेड्यूल को बदला गया है। गौरतलब है कि वर्ष 2023 में संसद ने भारी बहुमत से महिला आरक्षण बिल को पास किया था। लेकिन उस कानून में एक पेंच फंसा था। नियम के मुताबिक, देश में अगली जनगणना और परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू हो सकता था। इस प्रक्रिया में लंबा वक्त लग सकता है और मुमकिन था कि

2029 के लोकसभा चुनाव तक भी यह लागू न हो पाए। अब सरकार इसी अड़चन को दूर करना चाहती है। सूत्रों की मानें तो सरकार एक संशोधन बिल ला रही है, जिससे नई जनगणना का इंतजार किए बिना, 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। मोदी सरकार चाहती है कि महिलाओं को जल्द उनका हक मिले। इस बजट विशेष सत्र में अगर यह बिल आता है, तो भारतीय संसद में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। चर्चा है कि इस संशोधन के जरिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर 816 किया जा सकता है। यानी सीटों की संख्या में सीधे 50 फीसदी की बढ़ोतरी। अगर ऐसा होता है, तो बढ़ी हुई सीटों में से एक-तिहाई यानी लगभग 273 सीटें सीधे महिलाओं के लिए रिजर्व हो जाएंगी। किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में कहा कि हमारे पास कुछ विधेयक हैं, जिन्हें हमने विपक्षी दलों के सदस्यों के साथ साझा किया है। अगले 2-3 हफ्तों में एक महत्वपूर्ण विधेयक पेश किया जाएगा। इसलिए सरकार सदन को स्थगित करने का प्रस्ताव रखती है। हम बहुत जल्द निश्चित अवधि के लिए मिलेंगे। दरअसल, महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार ने पहले ही संकेत दे दिए थे। जिसके चलते उन्होंने 2029 के आम चुनाव में इसे लागू करने की मंशा जताई थी।

सत्ता में आए तो रद्द होगा सीएपीएफ कानून, बोले राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि अगर आगामी आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आती है, तो सीएपीएफ विधेयक 2026 को रद्द कर दिया जाएगा। राहुल गांधी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट अजय मलिक से मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अजय मलिक ने नक्सली मुठभेड़ के दौरान आईईडी धमाके में अपना एक पैर खो दिया था देश की रक्षा में सब कुछ दांव पर लगा दिया। राहुल गांधी ने कहा, ''15 साल से अधिक की निष्ठापूर्ण सेवा के बावजूद – प्रमोशन नहीं, अपनी ही फोर्स को लीड करने का अधिकार नहीं।

नहीं कम होगा नीतीश कुमार का रुतबा!

शपथ से पहले मिला जेड पल्स सुरक्षा का कवच.....

पटना/ एजेंसी

बिहार की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच नीतीश कुमार की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। हाल ही में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए नीतीश कुमार को भविष्य में भी जेड पल्स श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी। माना जा रहा है कि वे 10 अप्रैल को शपथ ले सकते हैं। गृह विभाग की विशेष शाखा ने इस संबंध में पुलिस महानिदेशक और डीजी (स्पेशल ब्रांच) को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं, ताकि उनकी सुरक्षा में किसी तरह की कमी न रहे। विभाग का कहना है कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे कार्यकाल और वर्तमान राजनीतिक स्थिति को देखते हुए उन्हें उच्च स्तर की सुरक्षा देना जरूरी है। यह कानून संवेदनशील व्यक्तियों को उनकी स्थिति के अनुसार सुरक्षा कवर प्रदान करने की अनुमति देता है।

बृहन्मुंबई नगर निगम की नवनियुक्त आयुक्त अश्विनी भिड़े ने मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाक़ात की।

हनी सिंह-बादशाह को बड़ा झटका

दिल्ली हाईकोर्ट ने वॉल्यूम1 गाना को बताया अश्लील

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को सिंगर-रैपर हनी सिंह और बादशाह को बड़ा झटका देते हुए उनके पुराने विवादित गाने 'माफिया मुंडीर' वॉल्यूम 1 को सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म से तुरंत हटाने का आदेश दिया है। अदालत ने इस गाने को बेहद अश्लील और अभद्र बताते हुए कहा कि यह महिलाओं के प्रति अपमानजनक है और किसी भी सभ्य समाज में इस तरह के कंटेंट को स्वीकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस पुरुषेंद्र कौरव की बेंच ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गाने से जुड़े सभी वीडियो, ऑडियो, रीमिक्स और अन्य वर्जन को सोशल मीडिया, म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से तत्काल हटाया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि गाने का शीर्षक इतना आपत्तिजनक है कि उसे आधिकारिक आदेश में भी दर्ज करना मुश्किल है।

राघव चड्ढा पर आप ने लिया एक्शन

राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाया,बोलने पर भी लगी रोक

नई दिल्ली/ एजेंसी

आम आदमी पार्टी ने बड़ा संगठनात्मक बदलाव करते हुए राघव चड्ढा को राज्यसभा में उप नेता के पद से हटा दिया है। उनकी जगह अब अशोक मित्तल को उप नेता नियुक्त किया गया है। पार्टी ने इस संबंध में राज्यसभा सचिवालय को आधिकारिक पत्र भी सौंप दिया है। इसके साथ ही, क्क ने सचिवालय को यह भी सूचित किया है कि राघव चड्ढा को संसद में बोलने के लिए समय आवंटित न किया जाए। इस फैसले को पार्टी के अंदरूनी रणनीतिक बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है, हालांकि इसके पीछे के कारणों को लेकर अभी तक आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। डॉ. अशोक मित्तल पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं और देश के प्रमुख शिक्षाविदों में उनकी पहचान है। वे लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर भी हैं, जो भारत की बड़ी निजी यूनिवर्सिटियों में गिनी जाती है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के चलते उन्हें एक प्रभावशाली अकादमिक लीडर माना जाता है, और अब वे राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। राघव चड्ढा ने हाल के दिनों में संसद में आम लोगों से जुड़े कई अहम मुद्दे उठाए हैं। 30 मार्च को राज्यसभा में उन्होंने पितृत्व अवकाश को कानूनी अधिकार का दर्जा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि बच्चों की परवरिश केवल मां की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह माता-पिता दोनों की साझा जिम्मेदारी होनी चाहिए।उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल केंद्र सरकार के कर्मचारियों को 15 दिन का पितृत्व अवकाश मिलता है।

मेरी सहेली के साथ संबंध बनाओ', पत्नी के टॉर्चर से परेशान पति पहुंचा थाने

बेंगलुरु। पतियों द्वारा पत्नियों पर घरेलू हिंसा और उत्पीड़न के मामले तो आपने अक्सर सुने होंगे, लेकिन कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है जो आपके होश उड़ा देगा। यहां एक 37 वर्षीय शख्स ने अपनी 31 साल की पत्नी पर यौन उत्पीड़न, मानसिक क्रूरता और अप्राकृतिक कृत्य करने के लिए मजबूर करने जैसे बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित पति ने पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर पुलिस का दरवाजा खटखटाया है और न्याय की गुहार लगाई है। बेंगलुरु के अमृतहल्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज इस एफआईआर ने हर किसी को चौंका दिया है।

दतिया विधायक राजेंद्र भारती पर कोर्ट का बड़ा फैसला

कांग्रेस को झटका 3 साल की जेल और 30 दिन का अल्टीमेटम मिला

भोपाल/ एजेंसी

मध्य प्रदेश के दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को को-ऑपरेटिव बैंक घोटाले के मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। फैसले के तुरंत बाद कोर्ट ने उन्हें 50 हजार रुपये के बॉन्ड पर जमानत दे दी और हाई कोर्ट में अपील दाखिल करने के लिए 30 दिन का समय भी दिया है। इसी मामले में सह-आरोपी रघुवीर शरण प्रजापति को भी अदालत ने तीन साल की सजा सुनाते हुए ढाई लाख रुपये का जुर्माना लगाया। हालांकि राजेंद्र भारती और सह आरोपी दोनों को जमानत मिल गई है। इससे पहले बुधवार को कोर्ट ने राजेंद्र भारती को दोषी ठहराते हुए जेल भेज दिया था। अदालत ने कहा कि उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 120ब के साथ-साथ 420, 467, 468 और 471 के तहत आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के अपराध में दोषी पाया गया है। दरअसल, विधायक को हुई सजा से जुड़ा यह मामला दतिया जिले में स्थित भूमि विकास सहकारी बैंक से जुड़ा हुआ है। मामला उस समय का है जब राजेंद्र भारती जिला सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने बैंक लिपिक के साथ मिलकर 10 लाख रुपए की एफडी में हेरफेर किया था। एफडी की अवधि और दस्तावेजों में बदलाव कर वह तय समय से ज्यादा समय तक ऊंची ब्याज दर पर पैसा निकालते रहे थे। एमपी एमएलए कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस की ओर से प्रतिक्रिया सामने आई है।

जग्गी हत्याकांड में आया फैसला

अमित जोगी कोर्ट से झटका-तीन सप्ताह में करना होगा सरेंडर

बिलासपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को बड़ा झटका लगा है। जग्गी हत्याकांड मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए अमित जोगी को तीन सप्ताह के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है। यह फैसला हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने सुनाया है। अदालत के आदेश के मुताबिक जोगी को तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करना होगा। प्रदेश में वर्ष 2003 में हुए बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने अमित जोगी को दोषी करार दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने उन्हें तीन हफ्ते के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविंद वर्मा की स्पेशल डिवीजन बेंच ने यह अहम फैसला सुनाया है। इससे पहले कोर्ट ने सबूतों के अभाव में अमित जोगी को बरी कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस पूरे मामले को हाईकोर्ट में रीओपन किया गया। मामले की जांच करने वाली एजेंसी सीबीआई ने कोर्ट में 11 हजार पन्नों की रिपोर्ट पेश की थी। इसी विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर अमित जोगी पर भी चार्ज लगाए गए थे और आज अंतिम सुनवाई के बाद उन्हें दोषी माना गया है। अब उन्हें तीन हफ्ते के अंदर में सरेंडर करना होगा, जिसके बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मामले की सुनवाई के दौरान स्व राम अवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने कोर्ट को बताया कि उनके पिता की हत्या एक राजनीतिक साजिश थी। सीबीआई ने 11

हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की थी, जिसमें हत्या से जुड़े पर्याप्त सबूत शामिल हैं। इधर हाईकोर्ट के फैसले पर अमित जोगी ने कहा कि कोर्ट ने बिना पूरी सुनवाई का मौका दिए उन्हें दोषी करार दिया, जो उनके लिए अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है। बता दें, कि पूर्व मुख्यमंत्री अजित जोगी के बेटे अमित जोगी 2003 के राम अवतार जग्गी हत्याकांड में आरोपी रहे हैं। 2007 में ट्रायल कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया था, लेकिन सीबीआई और शिकायतकर्ता ने इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी। नवंबर 2025 में, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई की अपील को तकनीकी आधार पर खारिज करने के बाद पुनः बहाल कर दिया था। एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की 4 जून 2003 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कुल 31 अभियुक्त बनाए गए थे, जिनमें से बल्लू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बने थे। अमित जोगी को छोड़कर बाकी 28 लोगों को कोर्ट से सजा मिली थी। मामले में 31 मई 2007 को रायपुर की विशेष अदालत ने सबूतों के अभाव में अमित जोगी को बरी कर दिया था, लेकिन सीबीआई और शिकायतकर्ता ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। रामअवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने अमित जोगी को बरी करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है, जिस पर अमित के पक्ष में स्टे लगा था।

मेरे साथ अन्याय हुआ, यह अप्रत्याशित,सत्य की होगी जीत

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड केस में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़-जोगी (जेसीसी-जे) के सुप्रीमो अमित जोगी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने उन्हें दोषी मानते हुए तीन सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया है। आज उच्च न्यायालय ने मेरे विरुद्ध बिना सुनवाई का अवसर दिए सीबीआई की अपील को मात्र 40 मिनट में स्वीकार कर लिया। मुझे खेद है कि जिस व्यक्ति को अदालत ने दोषमुक्त किया था, उसे बिना सुनवाई के एक भी अवसर दिए दोषी करार दिया गया। यह अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि अदालत ने मुझे तीन सप्ताह के अंदर सरेंडर करने का समय दिया है। मुझे लगता है कि मेरे साथ गंभीर अन्याय हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि सर्वोच्च न्यायालय से मुझे न्याय अवश्य मिलेगा।

22 दिन, 48 डायवर्सन, राजस्व अधिकारी ने बनाया नया रिकॉर्ड

भाजपा के बड़बोले नेता की महत्वपूर्ण भूमिका

धमतरी। जिले में पिछले लंबे समय से कुछ राजस्व अधिकारियों के विरूद्ध लगातार गंभीर शिकायतें हुई हैं। लेकिन जांच के नाम पर और कुछ मामलों में जांच पूर्ण होने के बाद भी कार्यवाही नहीं होने से कुछ अधिकारी बेखौफ होकर नियम विरूद्ध कार्य कर सीधे सीधे शासन और जिले के मुखिया को चुनौति दे रहे हैं जिसके कारण ऐसे राजस्व अधिकारियों द्वारा आज भी धड़ल्ले से शासकीय भूमियों को निजी व्यक्ति के नाम पर दर्ज करने भूमाफियाओं द्वारा नियम विरूद्ध अवैध कालोनियों का निर्माण किये जाने, यहां तक कोटवारी भूमि की खरीद-फरोख्त का मामला मीडिया की सुर्खियों में बना रहा। अब इन्हीं से संबंधित सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है जिसके चलते नगरी क्षेत्र में पदस्थ एक अधिकारी ने 22 दिनों के अपने अल्प कार्यकाल के दौरान 48 डायवर्सन का केस पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। डायवर्सन का मामला उसी समय पूरा किया जाता है कि जब अन्य विभागों के द्वारा एनओसी दी जाती है। लेकिन 48 मामलों में इस प्रक्रिया का पालन नहीं किये जाने को लेकर जांच की मांग तेज हो रही है। क्षेत्र में हो रही चर्चा के अनुसार उक्त अधिकारी द्वारा जो डायवर्सन कार्य किये गये हैं उसमें जिले के चर्चित तथाकथित भाजपा नेता के मुंहलगे चमचा जिसे लोग माफिया के नाम से क्षेत्र में जानते हैं, जिन्होंने अपनी अर्द्धांगिनी के नाम पर अनेक नियम विरूद्ध डायवर्सन के आदेश करवाने में सफलता हासिल की है। डायवर्सन के उक्त खेल में बड़बोला भाजपा नेता जो वर्तमान में अपनी सफाई के कारण काफी चर्चा में है, इसकी प्रमुख भूमिका बताई जा रही है जिसका आने वाले दिनों में बड़ा खुलासा होने वाला है।

धमतरी जिलांतर्गत आने वाले सिहावा, नगरी अनुविभाग में पदस्थ 22 दिन के प्रभारी सुल्तान ने उन्हें प्रभार क्या दिया गया, इन्होंने 22 दिन के अंदर 48 डायवर्सन कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। खबर के मुताबिक यहां पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व का विवाह कार्यक्रम था। इसी कार्यक्रम को लेकर वहां के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने अवकाश में जाने के पूर्व एक राजस्व अधिकारी को पदभार सौंपा था जिन्होंने पद में आते ही डायवर्सन जैसे गंभीर मामले में 22 दिन के अंदर 48 डायवर्सन की प्रक्रिया पूरी कर दी जबकि इस प्रकरण में अनेक औपचारिकता पूरी करने के बाद ही संबंधित विभागों द्वारा दी गई एनओसी का अवलोकन किया जाता है परीक्षण पश्चात इस पर आदेश किया जाता है जिसके लिये महीनों लग जाते हैं। लेकिन इस कार्यवाही को न देखते हुए उन्होंने अपने प्रभारी पद का गलत तरीके से इस्तेमाल कर यह धड़ाधड़ आदेश किया है। जिले में संवेदनशील कलेक्टर जिन्होंने पदभार संभालने के बाद आदिवासियों की भूमि को लेकर भूमाफियाओं के सिंडीकेट की भावनाओं को तोड़ते हुए एक प्रकरण भी अपने कार्यकाल में अब तक अनुमति नहीं दी जो अपने आप में एक मिसाल है। इसी तरह जिले में होने वाले गंभीर मामलों को लेकर वे हमेशा त्वरित कार्यवाही करवाते आ रहे हैं। लेकिन उनके अधिनस्थ अधिकारियों के द्वारा इस प्रकार का कार्य करने से कहीं न कहीं उनकी छवि पर बात आ रही है। जिले के जागरूक नागरिकों ने कलेक्टर श्री मिश्रा से मांग की है कि जो राजस्व अधिकारी लगातार नियम विरूद्ध काम कर शासन और प्रशासन की छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं, उन पर त्वरित कार्यवाही कर राजस्व विभाग की जनता के बीच बिगड़ रही छवि सुधर सके। बताया जाता है कि 22 दिन के कार्यकाल में प्रभारी अधिकारी ने 48 डायवर्सन का प्रकरण पर अंतिम निर्णय ले लिया और उसे पास कर दिया। इसके पीछे भाजपा के एक नेता के मुंहलगे व्यक्ति की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका शामिल है जिसने अधिकारी को अपने वश में कर एक महिला के नाम पर मनमाने स्तर पर आदेश करवाया है जिसमें डायवर्सन में होने वाली जरूरी प्रक्रिया का पालन भी नहीं किया गया है। हद तो यह है कि जल संसाधन विभाग के नहर से लगी जमीन जिसका पूर्व में संबंधित कृषकों को मुआवजा दिया जा चुका है, जिसे कलेक्टर ने उक्त भूमि को विकास कार्यों के लिये आरक्षित रखने का निर्देश दिया था, उस भूमि का भी डायवर्सन कर दिया गया है जिसे लेकर वहां के लोगों में खासी नाराजगी देखी जा रही है। इसी तरह जिले के कुरूद अनुविभाग अंतर्गत आने वाले भखारा, सेमरा में शासकीय भूमि को निजी व्यक्तियों के नाम पर चढ़ाये जाने की शिकायत हुई थी। पुष्टि होने के बाद भी संबंधितों पर कार्यवाही नहीं हुई। जोक्विकोपार्जन के लिये कोटवारों को दी गई भूमि का भी क्रय, विक्रय हुआ। इससे पूर्व भी मगरलोड क्षेत्र में पदस्थ तहसीलदार पर आरबीसी 6-4 अंतर्गत पीड़ितों को दी जाने वाली राशि का बंदरबांट किया गया। साथ ही शासकीय भूमि को निजी व्यक्ति के नाम पर दर्ज किये जाने का मामला भी उजागर हुआ था जिनके विरूद्ध थाना तक में शिकायत की गई। लेकिन आज तक ये ऐसे प्रकरण हैं जिस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। नगरी क्षेत्र के उक्त मामले ने समूचे क्षेत्र को एक बार फिर चर्चा के दायरे में ला खड़ा किया है। अब देखना है कि ऐसे निरंकुश अधिकारियों पर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा क्या कार्यवाही करते हैं। यहां यह मांग भी बलवती हो रही है कि वहां पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा नगरी क्षेत्र में विवाह कर लिये जाने से वे वहां की निवासिनी कहलायेंगी, इसलिये क्या इन्हें इसके बाद भी नगरी अनुविभाग का दायित्व यथावत रखा जायेगा, या हटाया जायेगा? इस मामले को लेकर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा से दूरभाष पर संपर्क कर उनका पक्ष लिया गया तो उन्होंने कहा कि आपके द्वारा उक्त मामला मेरे संज्ञान में लाया गया है, पूरे मामले को एक बार मैं समझ लेता हूं, अगर कोई नियम विरूद्ध काम हुआ है तो इसकी जांच कराई जायेगी और दोषियों पर उचित कार्यवाही भी की जायेगी।

मोर गांव, मोर पानी अभियान ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

जनजागरूकता, सामुदायिक सहभागिता एवं श्रमदान बना मिसाल

बलौदाबाजार। मोर गांव, मोर पानी महाभियान अंतर्गत जिले में जल संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देते हुए अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित आवासों में केवल 15 दिन में 31,066 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। यह उपलब्धि व्यापक जनजागरूकता, सामुदायिक सहभागिता एवं श्रमदान का मिसाल बन गया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल के नेतृत्व में मोर गांव, मोर पानी महाभियान 2.0 की शुरुआत जिले में 13 मार्च 2026 से की गई है। इस अभियान के सफल संचालन हेतु तिथिवार कार्यक्रम तय किये गए है। इस उपलब्धि से जल संरक्षण के प्रति जिले की सामूहिक प्रतिबद्धता, जनसहभागिता और सशक्त नेतृत्व परिलक्षित होता है। ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया जिससे अभियान ने एक जन-आंदोलन का रूप ले लिया। प्रत्येक पीएम आवास की औसत साइज लगभग 300 वर्ग फीट है। इनमे निर्मित रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं वर्षा जल को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अनुमानतः प्रत्येक वर्षा ऋतु में इन संरचनाओं के माध्यम से हजारों लीटर पानी का संग्रहण संभव होगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि, जल संकट में कमी तथा स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। इस पहल से न केवल वर्तमान जल आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भी यह एक ठोस कदम है। मोर गांव,मोर पानी अभियान ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब प्रशासन और आमजन एक साथ मिलकर संकल्प लेते हैं तो असंभव भी संभव हो जाता है। जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस जन-आंदोलन से जुड़कर अपने घरों एवं गांवों में अधिक से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाएं तथा 'हर घर जल संचय' के लक्ष्य को साकार करने में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

जनपद सदस्य अनिता यादव द्वारा सामुदायिक भवन लोकर्पित

रूद्रेश्वर महिला ग्राम संगठन रूद्री बिहान की महिलाओं ने दी आकर्षक, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति

धमतरी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के तहत् ग्राम पंचायत रुद्री में महिला दिवस का आयोजन 31 मार्च को किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनपद पंचायत धमतरी की सदस्य अनिता यादव द्वारा सबसे पहले रुद्री में नवनिर्मित सामुदायिक भवन सह महिला संगठन भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने महिलाओं को अपनी शुभकामनायें भी दी। इस मौके पर ग्राम की प्रथम नागरिक सरपंच लक्ष्मी बया, उप सरपंच शुभम साहू, केशव साहू, समेत वार्ड पंचगण, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक एवं बिहान की महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम के तहत रूदेश्वर महिला ग्राम संगठन रूद्री द्वारा ग्राम में चलाये जा रहे कार्यों की समीक्षा एवं सफलता की कहानी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में बिहान से जुड़ी महिलाओं ने कविता, गीत सहित रंगारंग और आकर्षक नृत्यों की प्रस्तुति दी। रूदेश्वर महिला ग्राम संगठन की अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने बताया कि महिलाएं बिहान के तहत ग्राम में संचालित रूद्रेश्वर महिला ग्राम संगठन से जुड़कर अनेक कार्य कर रही हैं जिससे वे आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं।

कोषाध्यक्ष विद्या साहू ने कहा कि गांव में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने रूद्रेश्वर महिला ग्राम संगठन द्वारा अनेक कार्य किये जा रहे हैं। साथ ही उनके आत्म विश्वास को बढ़ाने हमारे द्वारा इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं ताकि महिलाओं का मंच में आने का जो झिझक है, वह खत्म हो सके। मंच संचालन सुनीता वर्मा द्वारा किया गया।

आमदी नगर पंचायत अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल मिला महापौर से

बहुप्रतीक्षित मांग पूर्ण

धमतरी। महापौर रामू रोहरा के लगातार प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। आम बजट वर्ष 24-25 के अंतिम दिवस आमदी नगर पंचायत क्षेत्र की 3.5 किलोमीटर लंबी सड़क को डिवाइडर सहित गौरव पथ के रूप में विकसित करने की बहुप्रतीक्षित मांग को शासन ने मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए 21.19 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति के बाद आमदी नगर पंचायत क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। लंबे समय से क्षेत्रवासी इस सड़क के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण की मांग कर रहे थे। अब गौरव पथ बनने से न केवल यातायात व्यवस्था सुगम होगी, बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास को भी नई दिशा मिलेगी। महापौर रामू रोहरा ने इस उपलब्धि को आमदी क्षेत्र की जनता और जनप्रतिनिधियों की सामूहिक मांग का परिणाम बताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को लेकर उन्होंने लगातार मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सहित संबंधित मंत्रियों से चर्चा कर प्राथमिकता दिलाई। उन्होंने कहा कि गौरव पथ बनने से आमदी क्षेत्र की पहचान और भी मजबूत होगी। डिवाइडर, बेहतर सड़क, प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण के साथ यह मार्ग क्षेत्र के विकास का प्रमुख आधार बनेगा। साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि आमदी नगर पंचायत क्षेत्र की 3.5 किलोमीटर लंबी सड़क को डिवाइडर सहित गौरव पथ के रूप में विकसित करने की मांग को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति साहू के नेतृत्व में पार्षदों, जनप्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं का प्रतिनिधि मंडल महापौर रामू रोहरा के निवास पहुंचा और विस्तार से चर्चा कर स्वीकृति दिलाने की मांग रखी। 2024-25 के बजट में इसका प्रावधान था, जिसे आज ही स्वीकृति करना जरूरी था। उन्होंने महापौर से आग्रह किया कि इस योजना को प्राथमिकता में रखते हुए शासन स्तर पर स्वीकृति दिलाई जाए। महापौर रामू रोहरा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा था कि आमदी क्षेत्र की मांग पूरी तरह जायज है। धमतरी नगर निगम क्षेत्र में जिस तरह तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं, उसी तर्ज पर आसपास के क्षेत्रों को भी विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आमदी के जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के विकास को लेकर गंभीर हैं और यह सकारात्मक पहल है। उन्होंने बताया कि आमदी की कई मांगे पूरी हो गई है, सिर्फ यही मांग बच गई है। इस विषय को लेकर आज ही उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा तथा सांसद रूपकुमारी चौधरी से चर्चा की है। चर्चा के कुछ समय बाद ही प्रदेश सरकार ने इस काम की स्वीकृति प्रदान कर दी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने इस स्वीकृति के लिए महापौर रामू रोहरा और प्रदेश सरकार के प्रति आभार जताया है। अब लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होकर आमदी क्षेत्र को एक आधुनिक और व्यवस्थित सड़क की सौगात मिलेगी।

मीडिया एसोसिएशन की बैठक में दिखा उत्साह और एकजुटता का रंग

तिल्दा-नेवरा। बलौदाबाजार जिला के सिमगा रेस्ट हाउस में आयोजित छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन की बैठक इस बार सिर्फ एक औपचारिक आयोजन नहीं रही, बल्कि यह संगठनात्मक ऊर्जा, एकजुटता और भविष्य की स्पष्ट दिशा का प्रतीक बनकर सामने आई। कार्यक्रम में प्रदेश से लेकर ब्लॉक स्तर तक के पदाधिकारियों की मौजूदगी ने इसे खास बना दिया। बैठक की अगुवाई करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश रात्रे ने साफ कहा कि संगठन की असली ताकत उसकी सक्रियता और जमीनी जुड़ाव में है। उन्होंने पत्रकारों के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष वेदभूषण सनेही, स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. संजय निराला, कार्यकारिणी सदस्य शैलेश सिंह राजपूत, संभाग उपाध्यक्ष रविशंकर गुप्ता, संभाग कार्यकारिणी सदस्य थानेश्वर साहू जिलाध्यक्ष घनीराम निराला एवं अशोक मनहर रायपुर जिला मीडिया प्रभारी अजय नेताम रायपुर महासचिव प्रिया शर्मा तिल्दा ब्लॉक महासचिव सौरव यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का एक विशेष आकर्षण रहा सम्मान समारोह। सभी अतिथियों का पारंपरिक अंदाज में साल, श्रीफल, फूलमाला और गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। इस दौरान पूरे सभागार में आत्मीयता और सम्मान का माहौल देखने को मिला। संगठन विस्तार को लेकर भी गंभीर मंथन हुआ। निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में हर स्तर पर नई इकाइयों का गठन कर संगठन को और सशक्त बनाया जाएगा, ताकि पत्रकारों की आवाज और मजबूती से उठ सके। कार्यक्रम में शपथ ग्रहण समारोह ने नई ऊर्जा भर दी। प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश रात्रे ने घनीराम निराला, रवि गुप्ता, रायपुर और थानेश्वर साहू को पद की शपथ दिलाई। सदस्यों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। अंत में सभी ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ जनहित के मुद्दों पर मजबूती से काम किया जाएगा। यह बैठक न केवल विचार-विमर्श का मंच बनी, बल्कि एक नई शुरुआत का संकेत भी दे गई।

जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा हुई सुदृढ़, 4 नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

पहली बार एडवांस लाइफसपोर्ट सिस्टम से लैस एम्बुलेंस की भी हुई तैनाती

बलौदाबाजार। जिले को 4 नई 108 एम्बुलेंस मिलने से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा मजबूत हुई है।बुधवार को कलेक्टर कुलदीप शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल एवं नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने जिला अस्पताल परिसर से हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस को रवाना किया। इन 4 नई एम्बुलेंस में से 1 एम्बुलेंस एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट सिस्टम से लैस है जो जिले में पहली बार तैनात हुई है। नई 108 एम्बुलेंस की सेवाएं प्रारम्भ होने से आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सहायता सुनिश्चित होगा। बताया गया कि 4 में से 3 एम्बुलेंस बेसिक लाइफ सपोर्ट सिस्टम एवं 1 एम्बुलेंस एडवांस्ड लाइफसपोर्ट सिस्टम है। इसके साथ ही 5 और नई एम्बुलेंस जल्द मिलने वाली है जिसमें से एक एम्बुलेंस एएलएस है। इस तरह जिले में कुल 9 नई 108 एम्बुलेंस हो जाएंगी जिसमें से 2 एएलएस हैं।मरीजों को मौके पर ही प्राथमिक एवं उन्नत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए इन एम्बुलेंस में बीपी मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ईसीजी मॉनिटर, ग्लुकोमीटर जैसी जांच सुविधाओं के साथ ऑक्सीजन सपोर्ट, नेब्युलाइजेशन एवं अन्य आपातकालीन उपचार व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। गंभीर मरीजों के सुरक्षित स्थानांतरण हेतु पोर्टेबल वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर मॉनिटर, सिरिंज पंप, लैरिंजोस्कोप सहित अन्य उन्नत उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। इस अवसर पर एसडीएम प्रकाश कोरी, सीएमएचओ डॉ राजेश कुमार अवस्थी, सिविल सर्जन डॉ अशोक वर्मा, डीपीएम सृष्टि मिश्रा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

जिले में नलकूप खनन पर 30 जून तक प्रतिबंध, कलेक्टर ने जारी किए आदेश

बलौदाबजारा। जिले में आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कुलदीप शर्मा ने छत्तीसगढ़ पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 (क्रमांक-3) 1987 की धारा 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 1 अप्रैल से 30 जून 2026 तक बलौदाबाजार-भाटापारा जिले को जल अभाव ग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। उक्त अधिनियम की धारा 6 के अंतर्गत जिले में उक्त दर्शित अवधि में प्राधिकृत अधिकारी की पूर्वानुमति के बिना कोई नया नलकूप पेयजल अथवा पेयजल के अलावा किसी अन्य प्रयोजन के लिए खनन नहीं करेगा। उल्लंघन करने पर सम्बधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही होगी। शासकीय, अर्धशासकीय, नगरीय निकायों को पेयजल हेतु अपने क्षेत्राधिकार सीमा के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में नलकूप खनन हेतु अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी, परन्तु वे भी निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करेंगे। कोई भी व्यक्ति द्वारा अनुज्ञा के बिना अधिनियम का उल्लंघन करते हुए नलकूप खनन करते पाए जाने पर पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1987 के धारा 3 या 4 के उपबंधों का उल्लंघन पर कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डनीय होगा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कुलदीप शर्मा ने जन सुविधा को ध्यान में रखते हुए उक्त अधिनियम की धारा 6 के अंतर्गत नलकूप खनन हेतु अनुमति प्रदान करने के लिए सम्बधित राजस्व अनुभाग के एसडीएम को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया है जो संबंधित क्षेत्र में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय निकाय, तहसीलदार, नायब तहसीलदार से रिपोर्ट प्राप्त कर नियमानुसार अनुमति प्रदान करेंगे। समस्त प्राधिकृत अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में छत्तीसगढ़ पेयजल परिरक्षण अधिनियमों में उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार नलकूप खनन आवश्यक होने पर अनुमति प्रदान करने की कार्यवाही करेंगे। बोरवेल खनन अथवा बोरवेल मरम्मत का कार्य पंजीकृत बोरवेल एजेंसी द्वारा ही किया जायेगा। किसी भी व्यक्ति या एजेंसी द्वारा उक्त अधिनियम के उल्लंघन में नलकूप खनन करते पाए जाने पर उसके विरूद्ध नियमानुसार सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

विद्या किरण शिक्षण समिति द्वारा सरदार पटेल पर कार्यक्रम आयोजित

कुरूद। विद्या किरण शिक्षण समिति द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वी जयंती पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी और लाभार्थी के रूप में विद्यार्थीगण, शिक्षक समुदाय, नीति निर्माता, सांस्कृतिक सगठनों, मीडिया से जुड़े लोग आदि थे। कार्यक्रम के प्रथम दिवस रजिस्ट्रेशन के पश्चात आमंत्रित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। अतिथियों के उदबोधन के उपरांत, सरदार पटेल के जीवनी से संबंधित निबंध प्रतियोगिता का आयोजन छात्र छात्राओं के लिए की गई । आमंत्रित विषय विशेषज्ञों द्वारा पैनल डिस्कशन के माध्यम से सरदार पटेल के दृष्टिकोण, शासन माडल, भारत के लोकतंत्र और नीति निर्धारक विषयों पर प्रकाश डाला गया। अगले सत्र में शासन विधि लोकतंत्र एवं राष्ट्र निर्माण विषयों पर गहन चर्चा की गई। कार्यक्रम के अन्तिम दिवस पर निष्कर्ष सत्र चला जिसमें सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों और दृष्टिकोण का भविष्य में भारत पर पड़ने वाले प्रभाव पर था। प्रथम दिवस पर संपन्न हुए निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया। अंत में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ जिसमें सरदार पटेल के जीवनी पर आधारित नाटक एवं धार्मिक गीत तथा नृत्य की प्रस्तुति स्कूली विद्यार्थियों द्वारा दी गई। इस कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञों में कृष्ण गोपाल साहू शिक्षाविद, मनीष साहू समाजसेवी तथा पार्षद मनोज चंद्राकर संचालक जे. अचीवर्स स्कूल तथा देवव्रत साहू उपाध्यक्ष नगर पालिका कुरूद थे। कार्यक्रम में अंचल के स्कूलों के छात्र छात्राएं प्रतिभागी के रुप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गोविंद मगर अध्यक्ष विद्या किरण शिक्षण समिति गोपाल मगर सचिव, वनिता मगर, ज्योति मगर, अंकिता सिंह, आर. के.खरे, तामेश्वर कुर्रे, नीरज साहू, जमुना देवांगन, रविना ध्रुव, ज्योति ध्रुवंशी, भूमिका साहू, सरस्वती साहू, चारुल चंद्राकर, तीरथ दीवान आदि का विशेष सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

चक्रीय चक्रवात के कारण मौसम बदला,कई स्थानों पर बुंदाबांदी हुई

रायपुर। चक्रीय चक्रवात बनने के कारण आज राजधानी सहित प्रदेश के कई अन्य भागों में हल्की बुंदाबांदी हुई। महासमुंद और जशपुर जिले में बुंदाबांदी हुई वहीं राजधानी में भी सुबह बदली छाई रही। मौसम वैज्ञानिक से मिली जानकारी के अनुसार एक पश्चिम विक्षोभ, ऊपरी हवा के चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण के रूप में उत्तर ईरान और उससे लगे कैस्पियन सागर के ऊपर 3.1 किलोमीटर से 9.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके साथ एक द्रोणिका, निम्न से ऊपरी क्षोभमंडल पर 65 डिग्री पूर्व और 20 डिग्री उत्तर में 3.1 कम ऊंचाई पर स्थित है। मौसम वैज्ञानिक से मिली जानकारी के अनुसार एक प्रेरित ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पंजाब और उसे लगे हरियाणा के ऊपर 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम उत्तर प्रदेश से अंदरुनी उड़ीसा तक मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका उत्तर पूर्व बिहार से मणिपुर तक उत्तर बांग्लादेश, मेघालय और दक्षिण पूर्व असम होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका/हवा का अनियमित गति पश्चिमी विदर्भ से दक्षिण तमिलनाडु तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक अन्य द्रोणिका बिहार से गंगेटिक पश्चिम बंगाल तक 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में कल दिनांक 31 मार्च को एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

अब शहर में 15 मिनट में तो ग्रामीण क्षेत्रों में आधे घंटे में मिलेगी एंबुलेंस

रायपुर। प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज 108 संजीवनी एक्सप्रेस की 375 नई एम्बुलेंस का लोकार्पण किया। इस सेवा तत्काल प्रभाव से शुरू हो गई हैं, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सकेगी। इस पहल के अंतर्गत 300 बेसिक लाइफसपोर्ट और 70 एडवांस्ड लाइफसपोर्ट एम्बुलेंसों के अलावा पहली बार प्रदेश में 5 नियोनेटल एम्बुलेंसों की शुरुआत की गई है, जो नवजात शिशुओं की आपातकालीन देखभाल के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम है। यह सेवा गंभीर स्थिति में नवजात शिशुओं को सुरक्षित रूप से उच्च स्तरीय उपचार केंद्रों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रदेश में एम्बुलेंस सेवा की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु यह लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद तक समय पर सहायता पहुंच सके। नियोनेटल एम्बुलेंस सेवा को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, इनमें प्रशिक्षित नवजात इमरजेंसी तकनीशियन, 24 घंटे ईएमटी एवं पायलट की उपलब्धता के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों का ऑनलाइन मार्गदर्शन सुनिश्चित किया गया है। एम्बुलेंसों में इन्क्यूबेटर, वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर, सिरिंज पंप, नेब्युलाइज़र, सक्शन मशीन, पर्याप्त ऑक्सीजन सपोर्ट एवं 41 प्रकार की आपातकालीन दवाओं सहित सभी आवश्यक जीवनरक्षक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो इन्हें चलते-फिरते नवजात आईसीयू के रूप में स्थापित करती हैं।

देसी शराब के शौकीनों को राहतः नए वित्तीय वर्ष में नहीं बढ़ेंगे दाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मदिरा प्रेमियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। नए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत से पहले ही राज्य सरकार ने देसी शराब की कीमतों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। छत्तीसगढ़ शासन के आबकारी विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक देसी शराब के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। यानी वर्तमान में जो कीमतें लागू हैं, वही पूरे वित्तीय वर्ष के दौरान जारी रहेंगी। सरकार द्वारा मोलभाव और प्रक्रिया पूरी करने के बाद दरें तय कर दी गई हैं, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। जहां एक ओर महंगाई को लेकर आम लोगों की चिंता बनी हुई है, वहीं यह फैसला देसी शराब के उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आया है। सरकार के इस निर्णय को आबकारी नीति के तहत संतुलन बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

कांग्रेस पार्टी फंड को लेकर पीसीसी के दो कर्मचारियों से ईओडब्ल्यू की पूछताछ

रायपुर। आर्थिक अपराध शाखा ने आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय के दो कर्मचारियों को पार्टी फंड के नाम से की गई वसूली को लेकर दो कर्मचारियों से पूछताछ के लिए कार्यालय बुलाया। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष राम अवतार अग्रवाल पुलिस पकड़ से बाहर हैं। बताया जाता है कि दो कर्मचारी शिशुपाल साहू और सक्सेना लेखपाल हैं। इनमें से लेखापाल सक्सेना की गिरफ्तारी भी हो चुका है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक किस संबंध में पूछताछ हुई है, पता नहीं चला लेकिन बताया जाता है कि पार्टी फंड के नाम से दुरूपयोग को लेकर पहले भी लेखापाल सक्सेना की गिरफ्तार हो चुकी है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा खनिज, शराब घोटाला सहित अन्य घोटालों का फंड भी पार्टी फंड में आता था, इसकी शिकायत ईडी को मिली है, जिसके पश्चात यहां पर पूछताछ जारी है। इसकी पुष्टि करते हुए महासचिव ने बताया कि पूछताछ होने के बाद ही कोई जानकारी मिलेगी। ज्ञात रहे कई आईएएस अधिकारी तथा कांग्रेस नेता वसूली के मामले को लेकर जेल के अंदर अभी बंद है तथा कुछ लोग जमानत पर छूट गए हैं।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने रचा नया कीर्तिमान : हॉट मेटल उत्पादन 6 मिलियन टन के पार

रायपुर। भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रमुख संयंत्र भिलाई इस्पात संयंत्र ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में हॉट मेटल उत्पादन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 6 मिलियन टन का आंकड़ा पार कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि संयंत्र की परिचालन उत्कृष्टता, तकनीकी दक्षता और सामूहिक प्रयासों का सशक्त प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि संयंत्र ने वर्ष 2005-06 में पहली बार 5 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन का स्तर हासिल किया था, उस समय सात ब्लास्ट फर्नेस संचालित थे। इसके विपरीत वर्तमान में केवल चार ब्लास्ट फर्नेस के संचालन के साथ 6 मिलियन टन उत्पादन का यह मील का पत्थर प्राप्त किया जाना संयंत्र की उन्नत तकनीक, संसाधनों के बेहतर उपयोग और परिचालन अनुशासन को दर्शाता है।

लोकभवन में मनाया गया विभिन्न राज्यों का स्थापना दिवस

एक दूसरे राज्य के गौरवशाली इतिहास का स्मरण करने का है यह अवसर

■ 140 करोड़ देशवासियों को जोड़ रहा है एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान - मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि यह अवसर इन राज्यों की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक परंपराओं और विकास यात्रा को स्मरण करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना का उद्देश्य विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति और परंपराओं के माध्यम से आपसी समझ और जुड़ाव को बढ़ाना है जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होती है। राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आज लोकभवन में 7 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय विशेष रूप से उपस्थित थे। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली एवं दमन दीव, बिहार, राजस्थान और ओडिशा राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने मिजोरम और अरूणाचल प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और जनजातीय संस्कृति, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन-दीव की पर्यटन एवं औद्योगिक विशेषताओं, बिहार के लोगों का अर्थव्यवस्था एवं विकास में योगदान, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत, राजस्थान के लोगों के व्यापारिक उन्नति और शौर्य परंपरा तथा ओडिशा के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा और छत्तीसगढ़ में बहुत समानताएं हैं। राज्यपाल श्री डेका ने कहा

कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और ऐसे आयोजन राष्ट्रीय एकता को और अधिक मजबूत बनाते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत 140 करोड़ देशवासियों को जोड़ रहा है। भाषा, वेशभूषा, खान-पान में भले ही हम अलग अलग है लेकिन अनेकता में एकता हमारी देश की विशेषता हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम इसी भावना को दर्शाता है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच रोटी बेटी के संबंध, राजस्थान के व्यापारियों का छत्तीसगढ़ के व्यापार एवं उद्योग की उन्नति में योगदान सहित अन्य राज्यों की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत हम लोग विभिन्न राज्यों में जाकर वहां की संस्कृति से परिचित हो रहे हैं। समारोह में राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला। समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। राज्यों के प्रतिनिधियों ने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर राज्यपाल ने उनका सम्मान किया। इसी तरह राज्यपाल की उप सचिव सुश्री निधि साहू ने देहदान का निर्णय लिया है, जिसकी सराहना करते हुए श्री डेका ने उन्हें भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, अन्य जनप्रतिनिधि, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर प्रसन्ना, अन्य अधिकारी एवं इन सभी राज्यों के युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

खाद्य योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार के निर्देश-खाद्यआयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा ने आज नवा रायपुर स्थित आयोग कार्यालय में अंतर्विभागीय बैठक ली। बैठक मे वर्ष 2025-26 के दौरान 21 जिलों में किए गए निरीक्षण एवं खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग तथा आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभाग के अधिकारियों द्वारा उचित मूल्य दुकानों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन एवं शासकीय आश्रम/छात्रावासों में पाई गई कमियों की विस्तृत समीक्षा की गई। अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा ने ट्राइबल विभाग द्वारा संचालित बालक छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता एवं सामग्री आपूर्ति में सुधार के निर्देश दिए गए तथा कन्या छात्रावासों की स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर बताई गई। ट्राइबल विभाग द्वारा 21 जिलों की अनुशंसाओं के पालन प्रतिवेदन तथा पूर्व वर्षों के प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए शीघ्र प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में आश्रम एवं छात्रावासों में दैनिक भोजन मेन्यू के स्थायी प्रदर्शन, पात्रता अनुसार भोजन वितरण तथा शिकायत एवं सुझाव हेतु आयोग और खाद्य विभाग के कॉल सेंटर नंबर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति को पोषण ट्रैकर में सही तरीके से दर्ज करने तथा आकस्मिक निरीक्षण

के माध्यम से सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अनियमित रूप से संचालित, सूचना प्रदर्शित नहीं करने वाली एवं स्टॉक में गड़बड़ी पाए जाने वाली उचित मूल्य दुकानों के संचालकों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत प्रदेश में कार्यरत 2 केंद्रीकृत किचन में आयोग के दल द्वारा निरीक्षण में भोजन की गुणवत्ता एवं साफ-सफाई संतोषजनक पाए जाने पर अधिक से अधिक स्कूलों को इनसे जोड़े जाने की अनुशंसा की गई। छात्रावासों एवं विद्यालयों में भोजन एवं राशन की गुणवत्ता की निगरानी हेतु किसी छात्र को मेस प्रभारी नियुक्त करने का सुझाव भी आयोग द्वारा दिया गया। सभी स्कूलों, छात्रावासों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में चावल, दाल, सब्जी एवं खाद्य तेल की प्रति डाइट पात्रता का स्थायी रूप से प्रदर्शित करने तथा इसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि अधिकांश जिलों में योजनाओं का क्रियान्वयन संतोषजनक है, किन्तु कुछ स्थानों पर सुधार की आवश्यकता है, जिसे शीघ्र पूरा किया जाना आवश्यक है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी प्रदेश के लिए गर्व की बात

■ बस्तर समेत समूचे प्रदेश से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मिलेगा मौका : मुख्यमंत्री

■ मुख्यमंत्री से केंद्रीय राज्य मंत्री सुश्री रक्षा खडसे की सौजन्य मुलाकात, खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देने पर जोर

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज उनके निवास कार्यालय में केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री सुश्री रक्षा निखिल खडसे ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, भारतीय खेल प्राधिकरण के उप महानिदेशक श्री मयंक श्रीवास्तव एवं खेल विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने सुश्री खडसे का शॉल, बस्तर आर्ट से निर्मित आकर्षक प्रतिकृति तथा बस्तर दशहरा पर आधारित कॉफी टेबल बुक भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर, संसाधन और सशक्त मंच उपलब्ध कराने की है। राज्य सरकार खेल एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि हाल ही में आयोजित बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक ने प्रदेश को नई पहचान दिलाई है। इन आयोजनों के जरिए अनेक छिपी हुई प्रतिभाएं सामने आई हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। सरकार द्वारा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके कौशल को और निखारने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी करना प्रदेश के लिए गर्व की बात है और हमारे आदिवासी अंचल के युवाओं में यह नई ऊर्जा का संचार करेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर आज जब मुख्यधारा से जुड़ रहा है और वहां शांति स्थापित हुई है तो निश्चित ही आने वाले समय में खेलों में युवाओं की भागीदारी और बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने 'बस्तर पंडुम' का उल्लेख करते हुए कहा कि इस आयोजन में पारंपरिक खेल, गायन, वादन, वेशभूषा एवं व्यंजन सहित 12 विधाओं में लगभग 54 हजार प्रतिभागियों की भागीदारी प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और खेल विरासत का सशक्त उदाहरण है।

एलपीजी बुकिंग संख्या में आई कमी व्यवस्था धीरे-धीरे हो रही है सामान्य

रायपुर/ संवाददाता

पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव के चलते प्रदेश में 6 मार्च से 16 मार्च के दौरान दैनिक एलपीजी बुकिंग में आई असामान्य वृद्धि अब धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। सामान्यतः प्रदेश में एक दिन में औसत 74 हजार एलपीजी की बुकिंग दर्ज होती थी, जो कि 6 मार्च के बाद अचानक बढ़कर 1.30 लाख तक पहुंच गई थी। किन्तु राज्य शासन तथा ऑयल कंपनियों की सतत् मॉनिटरिंग और एलपीजी आपूर्ति में वृद्धि के कारण दैनिक एलपीजी बुकिंग में पिछले दो सप्ताह में लगातार कमी परिलक्षित हुई है। खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने जानकारी दी कि राज्य शासन द्वारा

खाद्य विभाग एवं ऑयल कंपनियों के अधिकारियों की राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसके द्वारा दैनिक बुकिंग, जिलों को प्रदाय एलपीजी रिफिल सिलेंडर, वितरित सिलेंडर, पेंडिंग बुकिंग संख्या और जिलों में उपलब्ध एलपीजी रिफिल सिलेंडर के स्टॉक की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है। इसके तहत पेंडिंग बुकिंग को क्लीयर करने हेतु जिलों को मांग के अनुरूप एलपीजी सिलेंडर प्रदाय किया जा रहा है।साथ ही घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग को रोकने हेतु संदिग्ध स्थानों की जांच कर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अब तक कुल 97 छापों में 3,847 सिलेंडर जप्त किए गए हैं तथा 9 व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। राज्य शासन के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप 16 मार्च की लंबित बुकिंग संख्या की तुलना में 31 मार्च तक लंबित बुकिंग संख्या में 1.08 लाख की कमी आई है, जिससे घरेलू एलपीजी आपूर्ति की व्यवस्था धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। राज्य में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा आम उपभोक्ताओं को एलपीजी प्राप्ति में कोई समस्या न हो, इसके लिए सभी आवश्यक प्रबंध राज्य शासन द्वारा किए गए हैं।

युवा विधायकों की भूमिका विकास में महत्वपूर्ण : भावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विधायक भावना वोहरा ने मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा आयोजित युवा विधानसभा सम्मेलन आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से लगा हुआ है। ऐसे में यह आयोजन हमारी भावनाओं और प्रगति के लिए फायदेमंद साबित होगा। भोपाल में आयोजित सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के युवा विधायक मंत्री खुशवंत साहेब, सदस्य श्रीमती उत्तरी गणपत जांगड़े, श्रीमती भावना वोहरा, श्रीमती चातुरी नंद, श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल, श्रीमती कविता प्राण लहरे बालेश्वर साहू, दीपेश साहू, ओंकार साहू, श्री संदीप साहू, श्रीमती विद्यावती सिदार एवं सचिव छत्तीसगढ़ विधानसभा दिनेश शर्मा हुए ने भाग लिया।

छत्तीसगढ़ के गजेंद्र ठाकुर ने 800 मीटर में मिला रजत पदक

जगदलपुर में एथलेटिक्स में ओडिशा ने चार और झारखंड ने दो स्वर्ण जीते

■ उन्होंने साई मीडिया से कहा, मैं बिलासपुर के एसएआई ट्रेनिंग सेंटर में कबड्डी ट्रायल देने आया था, लेकिन मेरी फिटनेस देखकर कोचों ने मुझे ट्रैक इवेंट्स में जाने की सलाह दी

रायपुर/ संवाददाता

रेस वॉकर दशरथ तलवार और मिडिल-डिस्टेंस धाविका नागिनी के स्वर्ण पदकों की बदौलत कर्नाटक ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आठवें दिन अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। वहीं छत्तीसगढ़ के गजेंद्र ठाकुर ने पुरुष 800 मीटर में रजत पदक जीता और पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक हासिल किया।जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर एथलेटिक्स ट्रैक पर दशरथ तलवार ने 45:13.85 के समय के साथ पुरुष 10 किमी रेस वॉक में कर्नाटक को 1-2 की बढ़त दिलाई। उनके साथी दर्शन बगाड़ी (46:25.90) दूसरे स्थान पर रहे, जबकि गुजरात के सागरभाई कटारा (48:16.09) तीसरे स्थान पर रहे। इसके बाद नागिनी ने महिलाओं की 800 मीटर दौड़ में 2:13.80 का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता, जिससे कर्नाटक के स्वर्ण पदकों की संख्या 21 हो गई। कर्नाटक ने अब तक आठ रजत और सात कांस्य सहित कुल 36 पदक जीत लिए हैं। छत्तीसगढ़ के गजेंद्र ठाकुर ने पुरुष 800 मीटर में 1:53.82 के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। इस स्पर्धा में ओडिशा के दावनिधि मुंडा ने 1:53.33 के समय के साथ स्वर्ण जीता। अपने प्रदर्शन से खुश ठाकुर ने बताया कि उन्होंने एथलेटिक्स में प्रशिक्षण केवल एक साल पहले शुरू किया था। उन्होंने साई मीडिया से कहा, मैं बिलासपुर के एसएआई ट्रेनिंग सेंटर में कबड्डी ट्रायल देने आया था, लेकिन मेरी फिटनेस देखकर कोचों ने मुझे ट्रैक

इवेंट्स में जाने की सलाह दी। अपने घर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में पहला राष्ट्रीय स्तर का पदक जीतकर मैं बेहद खुश हूं। इससे पहले, छत्तीसगढ़ की पुरुष हॉकी टीम ने पड़ोसी मध्य प्रदेश को 14-6 से हराकर कांस्य पदक जीता। इन दो पदकों के साथ छत्तीसगढ़ की कुल पदक संख्या दो स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य हो गई है और टीम समग्र तालिका में 10वें स्थान पर है।एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के सिर्फ एक दिन शेष रहने के बीच, दूसरे स्थान पर काबिज ओडिशा ने बुधवार को चार स्वर्ण पदक जीतकर अपनी चुनौती बरकरार रखी। ओडिशा के लिए दावनिधि मुंडा (पुरुष 800 मीटर), रोशन खड़िया (पुरुष 400 मीटर हर्डल्स), दीपा किसान (महिला हाई जंप) और धनमती जेस (महिला भाला फेंक) ने स्वर्ण पदक जीते।वहीं झारखंड ने भी महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स और 10 किमी रेस वॉक में दो स्वर्ण जीतकर पदक तालिका में अपना तीसरा स्थान मजबूत किया। झारखंड के अब कुल 19 पदक हो गए हैं, जिनमें नौ स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य शामिल हैं। उधर, रायपुर के विवेकानंद कोटा स्टेडियम में खेले गए फुटबॉल सेमीफाइनल मुकाबलों में पश्चिम बंगाल ने गोवा को 5-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि छत्तीसगढ़ ने रोमांचक मुकाबले में अरुणाचल प्रदेश को 3-2 से पराजित कर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। ओडिशा के लिए दावनिधि मुंडा (पुरुष 800 मीटर), रोशन खड़िया (पुरुष 400 मीटर हर्डल्स), दीपा किसान (महिला हाई जंप) और धनमती जेस (महिला भाला फेंक) ने स्वर्ण पदक जीते। वहीं झारखंड ने भी महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स और 10 किमी रेस वॉक में दो स्वर्ण जीतकर पदक तालिका में अपना तीसरा स्थान मजबूत किया। झारखंड के अब कुल 19 पदक हो गए हैं, जिनमें नौ स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य शामिल हैं।

संपादकीय

दुनिया में गहरा रहा जल संकट, आई डरावनी चेतावनी

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है।जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है। समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुनः सामान्य हो जाएंगे।मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी को नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा।अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए।

सरकारी स्कूलों में एक कक्षा में 60-70 बच्चे बैठते हैं, जहाँ शिक्षक का ध्यान हर बच्चे पर देना असंभव हो जाता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की इतनी भीड़ होती है कि डॉक्टर को एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट मिलते हैं। बढ़ती आबादी के कारण सरकार चाहकर भी हर व्यक्ति तक अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं पहुँचा पाती। भारत आज दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। 2024 में भारत की जनसंख्या लगभग 145 करोड़ को पार कर गई है। यह एक ऐसी समस्या है जो देश के विकास, संसाधनों, पर्यावरण और लोगों के जीवन स्तर पर सीधा असर डालती है। एक तरफ जहाँ देश तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती आबादी उस तरक्की को खा जा रही है। सड़कों पर भीड़, अस्पतालों में लंबी कतारें, स्कूलों में जगह की कमी और बेरोजगारी– ये सब बढ़ती जनसंख्या के प्रत्यक्ष परिणाम हैं। इस लेख में हम बढ़ती जनसंख्या से होने वाले नुकसानों को समझेंगे और उन पारंपरिक विचारधाराओं का खंडन करेंगे जो अधिक संतान पैदा करने को प्रेरित करती हैं।

जनसंख्या नियंत्रण की आवश्यकता- बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम और पारंपरिक भ्रांतियाँ

(डॉ. शैलेश शुक्ला)

बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम- गरीबी और भुखमरी- जब किसी परिवार में कमाने वाला एक होता है और खाने वाले दस, तो गरीबी अपने आप आ जाती है। यही बात पूरे देश पर लागू होती है। भारत में उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा तेजी से आबादी बढ़ रही है। नतीजा यह होता है कि प्रति व्यक्ति आय कम रह जाती है। करोड़ों लोग आज भी दो वक्त की रोटी के लिए जूझ रहे हैं। गरीबी का सीधा संबंध अधिक जनसंख्या से है।

बेरोजगारी - हर साल लाखों युवा पढ़-लिखकर नौकरी ढूँढने निकलते हैं, लेकिन नौकरियाँ उतनी तेजी से नहीं बढ़तीं जितनी तेजी से लोग बढ़ रहे हैं। एक सरकारी पद के लिए लाखों आवेदन आते हैं। इससे निराशा, अपराध और सामाजिक अस्थिरता बढ़ती है। अगर जनसंख्या नियंत्रित होती तो हर हाथ को काम मिलना आसान होता।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ- सरकारी स्कूलों में एक कक्षा में 60-70 बच्चे बैठते हैं, जहाँ शिक्षक का ध्यान हर बच्चे पर देना असंभव हो जाता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की इतनी भीड़ होती है कि डॉक्टर को एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट मिलते हैं। बढ़ती आबादी के कारण सरकार चाहकर भी हर व्यक्ति तक अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं पहुँचा पाती।

पर्यावरण का विनाश- ज्यादा लोग यानी ज्यादा जमीन की जरूरत, ज्यादा पानी की खपत, ज्यादा प्रदूषण और ज्यादा कचरा। जंगल काटकर बस्तियाँ बसाई जा रही हैं, नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि है। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आने वाली पीढ़ियों को साफ पानी और स्वच्छ हवा भी नसीब नहीं होगी।

आवास और शहरीकरण की समस्या- शहरों में जगह कम पड़ रही है। मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोग तंग और अस्वच्छ जगहों पर रहने को मजबूर हैं। ट्रैफिक जाम, पानी की कमी और बिजली की समस्या – ये सब अधिक जनसंख्या का ही नतीजा है।

अपराध और सामाजिक अशांति- जब लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं होतीं तो अपराध बढ़ता है। भूख, बेरोजगारी और निराशा लोगों को गलत रास्ते पर धकेलती है। अधिक जनसंख्या वाले इलाकों में चोरी, लूट और हिंसा की घटनाएँ ज्यादा देखी जाती हैं।

पारंपरिक भ्रांतियाँ और उनका खंडन- हमारे समाज में कई ऐसी पुरानी मान्यताएँ प्रचलित हैं जो लोगों को अधिक संतान पैदा करने के लिए प्रेरित करती हैं। इन मान्यताओं की जड़ें धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं में हैं। आइए इन भ्रांतियों को एक-एक करके समझें और उनका तर्कपूर्ण खंडन करें।

भ्रांति 1= संतान से मोक्ष मिलता है- यह सबसे प्रचलित मान्यता है कि पुत्र के बिना मोक्ष नहीं मिलता। कहा जाता है कि पुत्र पिंडदान करेगा तो पूर्वज मुक्त होंगे। इस मान्यता के कारण लोग बेटे की चाह में कई संतानें पैदा करते रहते हैं।

खंडन - अगर हम धर्मग्रंथों को गहराई से पढ़ें तो मोक्ष कर्म, ज्ञान और भक्ति से मिलता है, संतान की संख्या से नहीं।

भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि मोक्ष का मार्ग निष्काम कर्म और आत्मज्ञान है। कोई भी धर्मग्रंथ यह नहीं कहता कि जिसके ज्यादा बच्चे होंगे, उसे ज्यादा पुण्य मिलेगा। मोक्ष व्यक्ति के अपने आचरण, सदाचार और आध्यात्मिक साधना पर निर्भर करता है। अगर संतान से ही मोक्ष मिलता तो संन्यासियों, साधुओं और ऋषि-मुनियों को मोक्ष कैसे प्राप्त होता? शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद – इन सबने संतान नहीं उत्पन्न की, फिर भी ये महापुरुष माने गए।

भ्रांति 2- बेटा जरूरी है, बेटी से काम नहीं चलता = समाज में यह धारणा गहरी जड़ें जमाए बैठी है कि बेटा वंश आगे बढ़ाता है, बुढ़ापे का सहारा बनता है और अंतिम संस्कार करता है। इसलिए लोग बेटे की चाह में बच्चे पैदा करते रहते हैं।

खंडन - आज के समय में बेटियाँ हर क्षेत्र में बेटों से आगे निकल रही हैं। चाहे सेना हो, अंतरिक्ष हो, खेल हो या प्रशासन – बेटियाँ हर जगह अपना परचम लहरा रही हैं। कई बेटियाँ अपने माता-पिता की बुढ़ापे में बेटों से बेहतर देखभाल करती हैं। रही बात अंतिम संस्कार की, तो आज कानूनी रूप से बेटी को भी यह अधिकार प्राप्त है। जो लोग बेटे की चाह में पाँच-छह बेटियाँ पैदा कर देते हैं, वे न उन बेटियों को अच्छी शिक्षा दे पाते हैं, न अच्छा जीवन। यह कोई समझदारी नहीं, बल्कि मूर्खता है।

भ्रांति 3 - ज्यादा बच्चे यानी बुढ़ापे का सहारा = कई लोग सोचते हैं कि जितने ज्यादा बच्चे होंगे, बुढ़ापे में उतना ज्यादा सहारा मिलेगा। उनका मानना है कि एक-दो बच्चे हुए तो कौन देखभाल करेगा। खंडन - सच्चाई यह है कि आज के समय में ज्यादा बच्चे होने का मतलब ज्यादा सहारा नहीं, बल्कि ज्यादा खर्चा और ज्यादा चिंता है। अगर आप दो बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं, उन्हें संस्कारवान बनाते हैं, तो वे दो बच्चे दस बच्चों से बेहतर देखभाल करेंगे। दूसरी तरफ, अगर पाँच-छह बच्चे हों और किसी को भी अच्छी शिक्षा या संस्कार न मिले, तो वे सब मिलकर भी बुढ़ापे में सहारा नहीं बन पाएँगे। आज वृद्धाश्रमों में ऐसे बहुत से बुजुर्ग हैं जिनके चार-पाँच बच्चे हैं, लेकिन कोई उनकी सुध लेने वाला नहीं।

भ्रांति 4 - संतान ईश्वर की देन है, रोकना पाप है = कुछ लोगों का मानना है कि संतान ऊपर वाले की मर्जी से आती है और इसे रोकना ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध है। इसलिए वे परिवार नियोजन का पाप मानते हैं।

खंडन - ईश्वर ने इंसान को बुद्धि भी दी है। अगर हम बुद्धि का उपयोग नहीं करेंगे तो यह ईश्वर की देन का अपमान होगा। ईश्वर ने हमें सोचने-समझने की शक्ति दी है ताकि हम सही फैसले ले सकें। जब कोई व्यक्ति अपनी आर्थिक हालत जानते हुए भी बिना सोचे-समझे बच्चे पैदा करता रहता है और फिर उन बच्चों को भूखा, अशिक्षित और बीमार रखता है – तो क्या यह ईश्वर की सेवा है? यह तो उन मासूम बच्चों के साथ अन्याय है। असली धर्म यह है कि जितने बच्चे पैदा करो, उन सबकी अच्छे से परवरिश करो। अगर यह संभव नहीं, तो संयम रखना ही सबसे बड़ा धर्म है।

भ्रांति 5 - परिवार नियोजन शरीर के लिए हानिकारक है

ग्रामीण क्षेत्रों में यह अफवाह बहुत फैली हुई है कि नसबंदी या गर्भनिरोधक उपायों से शरीर कमजोर हो जाता है, काम करने की ताकत खत्म हो जाती है या और भी कई तरह की बीमारियाँ हो जाती हैं।

खंडन - चिकित्सा विज्ञान ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि आधुनिक परिवार नियोजन के तरीके पूरी तरह सुरक्षित हैं। नसबंदी एक छोटी सी प्रक्रिया है जिसमें कोई खतरा नहीं होता। गर्भनिरोधक गोलियाँ और अन्य उपाय डॉक्टर की सलाह से लेने पर बिल्कुल सुरक्षित हैं। उलटा, बार-बार गर्भधारण से महिलाओं के शरीर को बहुत ज्यादा नुकसान होता है। कम उम्र में बार-बार माँ बनना महिलाओं में कमजोरी, खून की कमी और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है।

जनसंख्या नियंत्रण के उपाय :जनसंख्या नियंत्रण कोई कठिन काम नहीं है, बस इसके लिए जागरूकता और इच्छाशक्ति चाहिए। सबसे पहले शिक्षा का प्रसार जरूरी है, खासकर लड़कियों की शिक्षा। जो परिवार शिक्षित होते हैं, वे खुद समझ जाते हैं कि छोटा परिवार ही सुखी परिवार है। परिवार नियोजन के साधनों को गाँव-गाँव तक पहुँचाना जरूरी है। सरकार को जागरूकता अभियान चलाने चाहिए जो धार्मिक भ्रांतियों को दूर करें। महिला सशक्तिकरण भी जनसंख्या नियंत्रण में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है – जब महिलाएँ आत्मनिर्भर होती हैं तो वे अपने शरीर और अपने परिवार के बारे में सही फैसले लेती हैं।

निष्कर्ष - बढ़ती जनसंख्या भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह गरीबी, बेरोजगारी, पर्यावरण विनाश और सामाजिक अशांति की जड़ है। पारंपरिक मान्यताएँ जैसे संतान से मोक्ष, बेटे की अनिवार्यता, ज्यादा बच्चे ज्यादा सहारा – ये सब भ्रम हैं जिनका कोई तार्किक या धार्मिक आधार नहीं है। असली धर्म यह है कि जो बच्चे हैं उनकी अच्छी परवरिश हो, उन्हें शिक्षा मिले, स्वास्थ्य मिले और एक सम्मानजनक जीवन मिले। यह तभी संभव है जब परिवार छोटा हो।

हमें पुरानी सोच को बदलना होगा। मोक्ष संतानों की संख्या से नहीं, अच्छे कर्मों से मिलता है। बेटे और बेटी में कोई भेद नहीं है। बुढ़ापे का सहारा ज्यादा बच्चे नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार वाले बच्चे होते हैं। परिवार नियोजन पाप नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और समझदार कदम है। जब तक हम यह नहीं समझेंगे, तब तक न तो हमारा परिवार खुशहाल होगा और न ही हमारा देश। छोटा परिवार, सुखी परिवार – यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि जीवन का सत्य है। (लेखक वैश्विक समूह संपादक, सृजन संसार अंतरराष्ट्रीय पत्रिका समूह है।

महावीर जंयती पर आलेख

युद्ध विभीषिका के संदर्भ में भगवान महावीर की शिक्षाओं का महत्वः डॉ.सुदेश बाला जैन

जब विश्व के विभिन्न हिस्सों में युद्ध, हिंसा और तनाव की स्थितियाँ लगातार बढ़ रही हैं, तब मानवता एक गहरे संकट का सामना कर रही है। युद्ध केवल भौगोलिक सीमाओं का संघर्ष नहीं होता, बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं, नैतिक मूल्यों और सह-अस्तित्व की भावना को भी क्षतिग्रस्त कर देता है। ऐसे समय में भगवान महावीर की शिक्षाएँ एक सार्थक और स्थायी मार्गदर्शन प्रस्तुत करती हैं, जो मानव समाज को शांति, करुणा और संतुलन की दिशा में अग्रसर कर सकती हैं।

भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म के रूप में स्थापित किया। उनकी अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं थी, बल्कि विचार, वाणी और व्यवहार में भी अहिंसक दृष्टिकोण अपनाने पर बल देती है। युद्ध की स्थिति में जहाँ हिंसा को समाधान के रूप में देखा जाता है, वहाँ महावीर का यह सिद्धांत हमें यह समझाता है कि हिंसा कभी भी स्थायी शांति का मार्ग नहीं बन सकती। हिंसा केवल प्रतिहिंसा को जन्म देती है और संघर्ष को और अधिक गहरा करती है।

महावीर की शिक्षाओं का एक महत्वपूर्ण आधार सभी जीवित प्राणियों के प्रति समभाव और करुणा है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव–चाहे वह सूक्ष्म हो या विकसित–जीवन, पीड़ा, भय और सुख की समान अनुभूति करता है। यह दृष्टिकोण मानव को यह बोध कराता है कि किसी भी जीव को कष्ट पहुँचाना स्वयं मानवता के विरुद्ध है। युद्ध की विभीषिका में जब मनुष्य अपने ही समान जीवों को शत्रु मानकर उनके विनाश का प्रयास करता है, तब महावीर का यह सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है।

भगवान महावीर का दर्शन संप्रदाय-मुक्त और सार्वभौमिक है। उन्होंने किसी विशेष धर्म, जाति या वर्ग के लिए नहीं, बल्कि समस्त जीव-जगत के कल्याण के लिए अपने सिद्धांत प्रस्तुत किए। उनका 'अहिंसा का धर्म' वास्तव में एक ऐसा मानवीय मूल्य है, जिसे कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय और किसी भी परिस्थिति में अपना सकता है। युद्ध के समय जब समाज विभाजन और वैमनस्य की ओर बढ़ता है, तब महावीर की यह शिक्षाएँ समन्वय और एकता का संदेश देती हैं।

महावीर ने 'अपरिग्रह' के सिद्धांत के माध्यम से यह बताया कि मनुष्य की अतृप्त इच्छाएँ और अधिकाधिक संग्रह की प्रवृत्ति ही अनेक संघर्षों का मूल कारण है। जब व्यक्ति या राष्ट्र अपनी आवश्यकताओं से अधिक पाने की लालसा में पड़ जाते हैं, तब टकराव और युद्ध की स्थिति उत्पन्न होती है। यदि अपरिग्रह और सादगी को जीवन में अपनाया जाए, तो न केवल व्यक्तिगत स्तर पर संतोष प्राप्त होगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी संघर्ष की संभावनाएँ कम होंगी।

उनकी शिक्षाओं में 'जियो और जीने दो' का सिद्धांत विशेष महत्व रखता है। यह सिद्धांत सह-अस्तित्व, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करता है। युद्ध की स्थिति में जहाँ एक पक्ष दूसरे के अस्तित्व को समाप्त करने का प्रयास करता है, वहाँ यह विचार शांति और संतुलन की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है।

महावीर की शिक्षाएँ केवल आध्यात्मिक उपदेश नहीं हैं, बल्कि वे व्यवहारिक जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। वे मनुष्य को आत्मसंयम, सादगी, सत्य और करुणा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत, सामाजिक और वैश्विक स्तर पर अपनाया जाए, तो एक शांतिपूर्ण और संतुलित समाज की स्थापना संभव है।

निष्कर्षतः, युद्ध की विभीषिका से ग्रस्त वर्तमान विश्व में भगवान महावीर की शिक्षाएँ अत्यंत प्रासंगिक और आवश्यक हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि वास्तविक शक्ति हिंसा में नहीं, बल्कि अहिंसा, करुणा और आत्मसंयम में निहित है। यदि मानवता इन सिद्धांतों को अपनाए, तो एक ऐसा विश्व निर्मित किया जा सकता है, जहाँ शांति, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का वर्चस्व हो। यही भगवान महावीर की शिक्षाओं का वास्तविक महत्व है।

धर्म की आड़ में अधर्म और अमानवीयता के धंधेबाज

इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकट्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है ।

मनोज कुमार अग्रवाल

अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।

कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वार्तालाप के लिए समय दे रही हैं। ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवद भक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है।

ताज़ा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित 'फर्जी बाबा' अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था। अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया। तांबे की बोतल में 'मंत्रित पानी' पिलाया गया। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए। जब पीड़िता गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया। मना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई। इस प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि'के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया।

स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वाघी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरुआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आईं।

आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया।

इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, यह भी सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग जगहों पर करोड़ों की संपत्ति जमा कर रखी है। नासिक, शिर्डी, पुणे और पनवेल जैसे शहरों में जमीन, बंगले और फार्म हाउस उसके नाम या बेनामी रूप से जुड़े हुए पाए गए। कुल संपत्ति का अनुमान करीब 40 करोड़ रुपये से ज्यादा लगाया जा रहा है।

पुलिस का आश्वासन मिलने के बाद अब कई पीड़िताएं सामने आई हैं और जादूटोना, यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप खरात पर लगे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि एनसीपी अजित गुट की नेता और महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर का भी एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो अशोक खरात के पैर धोती दिखाई दे रही हैं। हालांकि अब देवेन्द्र फड़नवीस ने उचित कदम उठाते हुए चाकणकर से इस्तीफा ले लिया है। वहीं चाकणकर का भी कहना है कि वो आरोपी को 2019 से जानती थीं और उसके काले कारनामों से परिचित नहीं थी। लेकिन उन्हें यह भी बताना चाहिए कि किसी पुरुष के पैर धोने जैसे काम क्या राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष को करना चाहिए। क्या इससे गैरबराबरी का संदेश नहीं जाता है। बहरहाल अब अशोक खरात तो पुलिस हिरासत में है, इस मामले में अब जांच का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। पहले इस केस की आंच राजनीति तक पहुंची थी और अब प्रशासनिक अधिकारी भी इसकी चपेट में आते नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में मुंबई में उपजिलाधिकारी के पद पर कार्यरत अधिकारी अभिजीत भांडे पाटिल का तबादला कर दिया गया है।

नया बस स्टैंड बना अतिक्रमण मुक्तः 43 दुकानों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, शहर को व्यवस्थित बनाने की दिशा में अहम कदम

एसडीएम ने 7 को बुलाई अहम बैठक, सदर और बुधवारी बाजार को अतिक्रमण मुक्त बनाने होगी चर्चा, मांगे जाएंगे सुझाव

बालोद। जिला मुख्यालय के नए बस स्टैंड क्षेत्र में बुधवार को प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त और व्यापक कार्रवाई करते हुए 43 दुकानों के सामने किए गए अवैध कब्जों को हटाया। इस दौरान दुकानों के बाहर लगाए गए टीन शेड हटाए गए और अवैध रूप से बनाई गई सीढ़ियों को तोड़ा गया। हालांकि इससे पूर्व ही कई दुकानदारों ने नोटिस मिलने के उपरांत स्वतः ही अपने दुकानों के सामने लगे टीन शेड को हटा दिया था। बुधवार को हुई यह संयुक्त कार्रवाई नगर पालिका प्रशासन और राजस्व विभाग की टीम द्वारा की गई, जिसमें कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा। प्रशासन का इस कार्रवाई से बस स्टैंड क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और आम लोगों को हो रही असुविधा को दूर करने में मदद मिलेगी। बता दे कि प्रशासन द्वारा पहले ही दुकानदारों को नोटिस जारी कर 3 दिन में स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद कई व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने अतिक्रमण हटा लिए, जिससे कार्रवाई के दौरान सहयोगात्मक माहौल देखने को मिला। एसडीएम नूतन कंवर, तहसीलदार आशुतोष शर्मा, नायब तहसीलदार मुकेश गजेंद्र, नगर पालिका सीएमओ मोबिन अली और पुलिस प्रशासन के समन्वय से यह पूरी कार्रवाई सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

सदर और बुधवारी बाजार से अतिक्रमण हटाना एक बड़ा चैलेंज

प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और शहर की स्वच्छता, सुंदरता व यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें। गौरतलब है कि इससे पहले भी प्रशासन ने एनएच-930 मार्ग पर ग्राम झलमला से लेकर जिला अस्पताल तक अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया था, जिसमें बुलडोजर कार्रवाई की गई थी। अब नए बस स्टैंड क्षेत्र में हुई यह कार्रवाई शहर को सुव्यवस्थित और सुंदर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। आगामी दिनों में नगर के घड़ी चौक से लेकर सदर मार्ग और बुधवारी बाजार में हुए अतिक्रमण को हटाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की है। जो एक बड़ा चैलेंज है।

एसडीएम ने 7 को बुलाई बैठक

अतिक्रमण मुक्त बालोद के इस अभियान के तहत आगामी चरण में घड़ी चौक से सदर मार्ग और बुधवारी बाजार से अवैध कब्जे को हटाने समय विकास हेतु आवश्यक यातायात व्यवस्था, सौन्दर्यीकरण और अतिक्रमण पर सुझाव हेतु एसडीएम नूतन कंवर ने 7 अप्रैल को बैठक आयोजित की है। बैठक में नगर पालिका के तमाम जनप्रतिनिधिगण, एएसपी, एसडीओपी, सीएमओ, थाना प्रभारी, पीडब्ल्यूडी ईई, जिला परिवहन अधिकारी, व्यापारी संघ के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी, प्रभावित क्षेत्र के पार्षद जैसे वार्ड- 2,4,6,7,9,10 एवं 19, प्रभावित व्यापारी वर्ग से अधिकतम 5 व्यापारी/प्रतिनिधि, मटन/चिकन व्यवसायी अधिकतम 3 लोग, राजस्व निरीक्षक को बैठक में आमंत्रित किया गया है। शहर के व्यस्ततम मार्ग घड़ी चौक से सदर रोड, बुधवारी बाजार अतिक्रमण एवं व्यवस्थापन, रामदेव चौक से राजनांदगांव रोड, यातायात कार्यालय के सामने एवं जय स्तंभ चौक से गौरव पथ नवीन बस स्टैण्ड तक अतिक्रमण हटाए जाने और गुमटी व्यवस्थापन मुक्त बालोद के सुझाव हेतु 7 अप्रैल को तहसील कार्यालय बालोद के सभाकक्ष में दोपहर 4 बजे एसडीएम की अध्यक्षता में बैठक आहूत किया गया है। जिसमें अतिक्रमण मुक्त बालोद को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। बता दे कि इससे पूर्व भी 18 मार्च को नगरपालिका के अध्यक्ष कक्ष में सदर मार्ग से अवैध कब्जे को हटाने बैठक आयोजित की गई थी।

नवाचार की मिसालः पीएमश्री सेजेस में विद्यार्थियों ने बनाई रंगीन एनसीईआरटी किताबें और डिजिटल सामग्री

केशकाल। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और रचनात्मकता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हुए पीएमश्री शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय केशकाल के कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने एक सराहनीय उपलब्धि हासिल की है। अंग्रेजी व्याख्याता संध्या श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने दो वर्षों की सतत मेहनत से एनसीईआरटी आधारित रंगीन, आकर्षक और नवाचारपूर्ण पुस्तकों के साथ-साथ डिजिटल सामग्री तैयार की है। इस परियोजना के तहत हॉर्नबिल, स्नैपशॉट्स, फ्लेमिंगो और विस्टास के सभी पाठों को समाहित करते हुए कुल 15 पुस्तकों का निर्माण किया गया है। इसके अलावा एक समग्र व्याकरण पुस्तक भी तैयार की गई है, जो स्कूली छात्रों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी उपयोगी साबित हो रही है। विद्यार्थियों द्वारा तैयार सामग्री में आधुनिक तकनीक का भी प्रभावी उपयोग किया गया है। प्रत्येक पुस्तक में क्यूआर कोड जोड़े गए हैं, जिन्हें स्कैन कर छात्र आसानी से श्रव्य और दृश्य सामग्री तक पहुंच सकते हैं। इससे उच्चारण, श्रवण कौशल और विषय की गहरी समझ विकसित करने में मदद मिल रही है। सभी पाठों को सरल भाषा, चित्रों और रचनात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया है। कविताओं में भावार्थ और काव्यालंकार को सहज तरीके से समझाया गया है, वहीं प्रत्येक पाठ के साथ व्याकरणिक विश्लेषण भी जोड़ा गया है, जिससे विद्यार्थी कहानी के साथ-साथ भाषा के नियमों को भी बेहतर तरीके से समझ पा रहे हैं। व्याकरण को द्विभाषीय और तालिकात्मक रूप में प्रस्तुत कर वाक्य निर्माण को आसान बनाया गया है, जिससे यह सामग्री प्राथमिक से लेकर उच्च स्तर तक के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बन गई है।

बांगोली में 'घर वापसी' की मिसाल : 2 परिवारों ने अपनाया मूल धर्म, सामाजिक समरसता का संदेश

फरसगांव/केशकाल। बस्तर अंचल में जहां एक ओर धर्मांतरण और उससे जुड़े विवादों, यहां तक कि धर्मांतरण से जुड़े लोगों की मौत के बाद तनाव और बवाल की खबरें लगातार सामने आती रही हैं, वहीं कोंडागांव जिले से एक सुखद और सकारात्मक खबर सामने आई है। फरसगांव ब्लॉक के ग्राम पंचायत बांगोली में दो परिवारों के कुल 6 सदस्यों ने 'घर वापसी' करते हुए अपने मूल समाज और परंपरा में लौटने का निर्णय लिया है। इस घटना के बाद गांव में सामाजिक एकता, सद्भाव और सांस्कृतिक जुड़ाव का माहौल देखने को मिला। जानकारी के अनुसार, ये परिवार कुछ वर्ष पूर्व धर्मांतरण कर ईसाई धर्म में शामिल हो गए थे। मंगलवार को गांव में आयोजित एक सामाजिक बैठक के दौरान इन परिवारों ने सार्वजनिक रूप से अपने मूल धर्म में लौटने की घोषणा की। इसके बाद पूरे गांव की मौजूदगी में पारंपरिक विधि-विधान के साथ उनकी घर वापसी कराई गई। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में इन परिवारों को इलाज और अन्य प्रलोभनों के नाम पर भ्रमित कर धर्म परिवर्तन कराया गया था। हालांकि अब परिवारों ने अपनी इच्छा और समझ से अपने मूल समाज में लौटने का फैसला लिया है। ग्राम सरपंच होरासिंग ने बताया कि गांव के लोग अपनी परंपरा, संस्कृति और सामाजिक पहचान को बचाए रखने के लिए एकजुट हैं। उन्होंने कहा हम सब मिलकर अपनी परंपरा को आगे बढ़ाना चाहते हैं। गांव की सहमति और सामाजिक एकता के साथ यह घर वापसी कराई गई है। घर वापसी कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज की परंपरा के अनुसार सभी सदस्यों पर जल छिड़काव किया गया और नारियल भेंट कर उनका स्वागत किया गया। यह दृश्य गांव में भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव का प्रतीक बन गया।

सरकारी नीति का भी दिखा असर

जानकारों की मानें तो सरकार की नीतियों का भी इस तरह के फैसलों पर असर पड़ रहा है। वर्तमान नियमों के तहत धर्मांतरण करने वाले लोगों को आदिवासी वर्ग के आरक्षण और अन्य लाभों से वंचित किया जाता है। ऐसे में अब कई लोग अपनी सामाजिक पहचान और अधिकारों को ध्यान में रखते हुए पुनः अपने मूल धर्म और समाज में लौटने का निर्णय ले रहे हैं।

परिवारों का विवरण

पहले परिवार में सतवन शोरी और उनकी पत्नी बिनीता शोरी शामिल हैं, जिन्होंने लगभग तीन वर्ष पहले धर्म परिवर्तन किया था। दूसरे परिवार में संजय, उनकी माता सुखबती, बहन कैशिल्या और भाई गोविंद शामिल हैं, जिन्होंने करीब एक वर्ष पहले धर्म परिवर्तन किया था और अब पुनः अपने मूल समाज में लौट आए हैं। फिलहाल गांव में स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण है और ग्रामीण आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ने की बात कह रहे हैं।

सार्वजनिक अंबेडकर जयंती समारोह की तैयारियों को नई दिशा देते हुए किया समिति का गठन

समिति के गठन की घोषणा आज की गई। इसमें सकनी चंद्रैया को अध्यक्ष, अमित कोरसा को सचिव तथा बसंत मामड़ीकर को कोषाध्यक्ष बनाया

बीजापुर। अम्बेडकर मंगल भवन बीजापुर मे वर्ष 2026 अंबेडकर जयंती के आयोजन हेतु सर्व समाज बीजापुर की बैठक रखी गई जिसमे सर्व सहमति से आयोजन समिति का गठन किया गया। जिसमे यह तय किया गया कि सभी समाजों के जिलाध्यक्ष इस समिति के संरक्षक होंगे, यह समिति 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को भव्य एवं सार्वजनिक रूप से मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। समिति के गठन के बाद सभी पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से कहा कि अंबेडकर जयंती सिर्फ एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि संविधान, समानता और सामाजिक न्याय की याद दिलाने का अवसर है। हम पूरे बीजापुर जिले को इसमें शामिल करके इसे यादगार बनाएंगे। समिति जल्द ही विस्तारित बैठक बुलाकर कार्ययोजना तैयार करेगी, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, शैक्षिक सेमिनार, रैली और आमसभा शामिल होंगे। समीति में मुख्य रूप से अध्यक्ष सकनी चंद्रैया, उपाध्यक्ष-आदिनारायण पुजारी, कमलेश पैकरा, जुलियस तिर्की, सुशील हेमला, कामेश्वर दुब्बा, अशोक तलाण्डी, बी माधव राव, सुदेश गुरला। सचिव-अमित कोरसा, सह सचिव-राजेश धृतलहरे, एजाज सिद्धीकी। कोषाध्यक्ष बसंत मामड़ीकर, उपकोषाध्यक्ष-जगबंधु मांझी मीडिया प्रभारी-कैलाश रामटेके एवं सतीश मण्डावी होंगे। बैठक मे यह भी तय किया गया कि सर्व समाज के सदस्य एवं युवा कार्यकारणी सदस्य होंगे। रैली एवं सभा के साथ ही सॉस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। गाँवों एवं ब्लाक मुख्यालयों मे प्रथम पहर मे जयंती कार्यक्रम के बाद द्वितीय पहर मे सभी ग्राम एवं विकास खण्ड के लोग जिला मुख्यालय के जयंती समारोह मे शामिल होंगे।

चंद घंटो मे कोण्डागांव पुलिस ने किया झपटमारी करने वाली आरोपिया को गिरफ्तार

कोण्डागांव। प्रार्थिया ईन्दरा निवासी गुहाबोरण्ड पोस्ट रांधना थाना फरसगांव जिला कोण्डागांव ने थाना कोंडागांव में आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह विकास नगर स्टेडियम ग्राउंड कोण्डागांव में 2 दिन तक चल रहे तीन दिवसीय सद्गुरू कबीर संत समागम समारोह में आई थी वहीं उपस्थित एक महिला भीड़ भाड़ का फायदा उठाकर प्रार्थिया के गले में पहने सोने का हार को छिना झपटी करके मंगलसूत्र को निकालकर भाग रही है, की रिपोर्ट पर थाना कोण्डागांव में अपराध क्रमांक 88/2026 धारा 304(2) बीएनएस. के तहत् पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा के निर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक कपील चन्द्रा के मार्गदर्शन में एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोण्डागांव रूपेश कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरी. सौरभ उपाध्याय के नेतृत्व में तत्काल टीम को घटना स्थल रवाना कर आरोपिया को अभिरक्षा में लिया गया। विवेचना के दौरान घटना के संबंध में आरोपिया ज्योति घमधे पति मोनू घमधे उम्र 30 वर्ष जाति मराठे निवासी जयराम नगर मनेसर थाना मस्तुरी जिला बिलासपुर हाल पता पिपरसत्ती थाना अकलतरा जिला जांजगीर चांपा को पूछताछ करने पर अपराध करना स्वीकार करने व आरोपी के विरूध्द अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 नग सोने की मंगलसूत्र किमती करीबन 50000/- रूपये को जप्त कर आरोपिया को रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया जहां से माननीय न्यायालय के आदेश पर जेल दाखिल किया गया।

डेढ़ किलोमीटर की प्यास खत्म होगी: भुरसीपकरी में कलेक्टर की चौपाल, झिरिया से घर-घर पानी पहुंचाने का ऐलान

कवर्धा। जिले के बोड़ला विकासखंड के सुदूर वनांचल और बैगा बाहुल्य ग्राम भुरसीपकरी में उस वक्त अलग तस्वीर दिखी, जब कलेक्टर गोपाल वर्मा खुद गांव पहुंचे और रात्रि चौपाल लगाकर ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठ गए। चौपाल औपचारिकता नहीं, बल्कि समाधान की ठोस पहल साबित हुई–क्योंकि चर्चा का केंद्र बना गांव का सबसे बड़ा संकट, पेयजल की किल्लत। ग्रामीणों ने खुलकर बताया कि गर्मी के दिनों में गांव में लगे तीन सोलर पंपों का जलस्तर नीचे चला जाता है। नतीजा–महिलाओं और बच्चों को करीब डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित झिरिया से पानी ढोकर लाना पड़ता है। तपती धूप में यह रोज का संघर्ष बन जाता है। ग्रामीणों ने कहा कि झिरिया में सालभर पानी रहता है, लेकिन गांव तक उसकी आपूर्ति की कोई व्यवस्था नहीं है। कलेक्टर वर्मा ने मौके पर ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर स्पष्ट निर्देश दिए कि झिरिया में सेनेटरी वेल का निर्माण किया जाए। इस वेल में मोटर पंप स्थापित कर पाइपलाइन के जरिए पानी सीधे गांव तक पहुंचाने की कार्ययोजना तैयार की गई है और शासन को भेजी जा चुकी है। कार्यपालन अभियंता दिलीप राजपूत ने जानकारी दी कि योजना स्वीकृत होते ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा, जिससे गांव को वर्षभर पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल भुरसीपकरी ही नहीं, बल्कि जिले के अन्य वनांचल गांवों का भी सर्वे कराया जाएगा, जहां झिरिया या प्राकृतिक जलस्रोतों पर निर्भरता है। ऐसे सभी स्थानों पर सेनेटरी वेल, मोटर पंप और पाइपलाइन आधारित आपूर्ति की कार्ययोजना बनाई जाएगी। यह पहल वनांचल क्षेत्रों में पेयजल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। चौपाल के दौरान जनमन योजना के तहत आवास निर्माण की भी समीक्षा की गई। ग्राम सचिव ने बताया कि 142 आवास स्वीकृत हैं, जिनमें 83 पूर्ण, 55 निर्माणाधीन और 4 अप्रारंभित हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन हितग्राहियों को राशि मिल चुकी है, उनके आवास निर्माण में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आवास मित्रों को नियमित निरीक्षण कर समयसीमा में कार्य पूर्ण कराने को कहा गया। राशन वितरण की जानकारी लेते हुए ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें नियमित राशन मिल रहा है। एक महिला ने राशन कार्ड दूसरे गांव में दर्ज होने की समस्या बताई, जिस पर तत्काल स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए। नामांतरण और राजस्व से जुड़े मामलों में भी समयबद्ध निराकरण के लिए अधिकारियों की टीम गठित करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर उप स्वास्थ्य केंद्र में नर्स की कमी की बात सामने आई, जिस पर सीएमएचओ से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

जल संकट पर सुझाव और सख्ती की जरूरत

भुरसीपकरी की समस्या केवल पाइपलाइन बिछाने से खत्म नहीं होगी, बल्कि जल संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। झिरिया जैसे प्राकृतिक स्रोतों का वैज्ञानिक संरक्षण, कैचमेंट एरिया की सुरक्षा और नियमित साफ-सफाई जरूरी है। वर्षा जल संचयन, तालाब गहरीकरण और जल पुनर्भरण संरचनाओं को बढ़ावा देना समय की मांग है। साथ ही, अनियंत्रित नलकूप खनन पर कड़ाई से प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है। लगातार बोरवेल खुदाई से भूजल स्तर गिर रहा है, जिससे गर्मी में सोलर पंप और हैंडपंप जवाब दे देते हैं। वनांचल क्षेत्रों में भूजल दोहन के बजाय सतही जल स्रोतों के संरक्षण पर जोर देना ही दीर्घकालिक समाधान है। पंचायत स्तर पर जल प्रबंधन समितियां बनाकर सामुदायिक निगरानी भी सुनिश्चित की जा सकती है। भुरसीपकरी की रात्रि चौपाल ने यह साबित किया कि जब प्रशासन गांव की चौखट तक पहुंचता है.

कबीरधाम में विकास पर दरारः मजगांव की टूटी सीसी सड़क ने खोली गुणवत्ता की पोल

कवर्धा। जिले में ग्रामीण विकास के नाम पर हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एक बार फिर सवालों के घेरे में है। सहसपुर लोहारा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत चंदैनी के आश्रित ग्राम मजगांव में हाल ही में निर्मित सीसी सड़क निर्माण के दो दिन के भीतर ही दरक गई। सड़क पर उभरी लंबी दरारें केवल एक निर्माण की कमजोरी नहीं, बल्कि पूरे जिले में चल रहे विकास कार्यों की निगरानी व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही है। बताया जा रहा है कि यह सड़क गौरव पथ के तहत बनाई गई है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत और टिकाऊ संपर्क मार्ग उपलब्ध कराना है। लेकिन निर्माण के तुरंत बाद ही सड़क के बीचों-बीच पड़ी दरारों ने योजना की मंशा पर पानी फेर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शुरुआत में ही यह हाल है, तो आने वाले समय में सड़क पूरी तरह उखड़ने में देर नहीं लगेगी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की गई है। सीसी रोड निर्माण में निर्धारित मोटाई, सही मिक्स डिजाइन, मजबूत बेस लेयर और कम से कम 7 से 14 दिन तक नियमित क्योरिंग आवश्यक होती है। यदि इन तकनीकी मानकों का पालन न किया जाए तो कंक्रीट में शुरुआती दरारें पड़ना स्वाभाविक है। यहां की स्थिति देखकर यही आशंका जताई जा रही है कि या तो सामग्री की गुणवत्ता कमजोर रही या निर्माण प्रक्रिया में जल्दबाजी और लापरवाही बरती गई। चौंकाने वाली बात यह है कि निर्माण स्थल पर किसी प्रकार का नागरिक सूचना पटल नहीं लगाया गया है। शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि हर शासकीय निर्माण कार्य में योजना का नाम, स्वीकृत राशि, कार्य अवधि, निर्माण एजेंसी और तकनीकी अधिकारी की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए। सूचना पटल का अभाव न केवल पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि जवाबदेही से बचने की कोशिश भी प्रतीत होता है। ग्रामीणों को यह जानकारी तक नहीं है कि सड़क की लागत कितनी है और किस विभागीय मद से इसे स्वीकृति मिली है। कबीरधाम जिले में इन दिनों विभिन्न ग्राम पंचायतों में अधोसंरचना कार्यों की भरमार है। ऐसे में यदि गुणवत्ता नियंत्रण और तकनीकी निरीक्षण में ढिलाई बरती गई, तो यह व्यापक स्तर पर वित्तीय अनियमितताओं को जन्म दे सकता है। पंचायत राज व्यवस्था के अंतर्गत प्रत्येक निर्माण कार्य की मापन पुस्तिका संधारित करना, समय-समय पर निरीक्षण करना और कार्य पूर्ण होने पर तकनीकी प्रमाणन देना अनिवार्य है। यदि इन प्रक्रियाओं का पालन नहीं हुआ, तो संबंधित अधिकारी और क्रियान्वयन एजेंसी की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, निर्माण सामग्री का परीक्षण कराया जाए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, क्षतिग्रस्त सड़क को हटाकर पुनः गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाए ताकि शासन की योजना का वास्तविक लाभ ग्रामीणों तक पहुंच सके। मजगांव की यह दरकी सड़क कबीरधाम जिले के विकास मॉडल पर भी सवाल खड़ा कर रही है। यदि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की गई, तो गौरव पथ जैसी योजनाएं नाम मात्र की उपलब्धि बनकर रह जाएंगी। अब नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर है कि इन दरारों को भरने के लिए ठोस कदम उठाए जाते है या मामला कागजों तक सिमट कर रह जाता।

महिला सशक्तिकरण को नई दिशा दे रहा छत्तीसगढ़ मॉडल : केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे

जगदलपुर। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने तुरेनार स्थित छत्तीसकला ब्रांड के अंतर्गत ग्रोथ सेंटर एवं प्रगति महिला स्व-सहायता समूह के स्टॉल्स का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय उत्पादों, महिला उद्यमिता एवं स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान रक्षा खडसे ने कहा कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बन रही है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की अग्रदूत भी बन रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में संचालित विभिन्न योजनाएं, जैसे कि महतारी वंदन योजना, महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं। साथ ही ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से उत्पादों की बिक्री, रेडी-टू-ईट खाद्य उत्पादों का निर्माण तथा लखपति दीदी योजना जैसे प्रयास महिलाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रहे हैं। रक्षा खडसे ने विशेष रूप 7से उल्लेख किया कि स्व-सहायता समूह द्वारा रेडी टू इट निर्माण, पोषण सुरक्षा, रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने इन प्रयासों को नारी शक्ति के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम बताया।

संक्षिप्त समाचार

एसईसीएल मुख्यालय के 4 कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गयी

बिलासपुर। दिनांक 31.03.2026 को एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को आज दिनाँक 30 . 03.2026 को निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी सुनील कुमार, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र एवं विभिन्न विभागाध्यक्षों, श्रम संघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में मुख्यालय बिलासपुर स्थित सीएमडी कक्ष में शाल, श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी। सेवानिवृत्त होने वालों में श्री सी.डी.एन सिंह महाप्रबंधक (वित्त) वित्त विभाग, श्री जी श्यामला राव महाप्रबंधक (मा.सं) कल्याण विभाग, श्री राम विनय कुमार, महाप्रबंधक (उत्खनन) उत्खनन विभाग , श्री राज, सुरक्षा उप निरीक्षक- सुरक्षा विभाग शामिल रहे। शीर्ष प्रबंधन ने अपने उद्बोधनों में कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारी अपनी कार्यकुशलता और समर्पण से एसईसीएल को सफलता की नई ऊँचाइयों तक लेकर गए हैं। उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। प्रबंधन ने सभी के उज्वल भविष्य और सुखद पारिवारिक जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कम्पनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि एसईसीएल में कार्य करना गौरव का विषय रहा। उन्होंने कहा कि यहाँ के अधिकारी और कर्मचारी कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हैं और किसी भी जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा से निभाते हैं। कार्यक्रम का चालन एवं सेवानिवृत्त कर्मियों का परिचय प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती सविता निर्मलकर ने सफलतापूर्वक किया।

बिलासपुर मंडल की वित्तीय वर्ष 2025-26 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

बिलासपुर। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संपूर्ण भारतीय रेलवे के साथ ही साथ बिलासपुर मंडल में आधारभूत संरचना, माल लदान, यात्री परिवहन एवं यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस दौरान नई लाइनों का निर्माण, तीहरीकरण तथा चौथी लाइन का कार्य तीव्र गति से हुआ। यात्री सुविधाओं के विकास का बेहतर क्रियान्वयन तथा प्रमुख स्टेशनों में नई-नई यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई। माल लदान के क्षेत्र में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए गए। इसी संदर्भ में मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने मंडल सभाकक्ष में प्रेसवार्ता कर मीडिया के प्रतिनिधियों से परिचर्चा की। इस अवसर पर वरि.मंडल वाणिन्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह भी उपस्थित थे। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने मंडल की प्रमुख महत्वपूर्ण उपलब्धियों, यात्री सुविधाओं एवं विभिन्न विकासात्मक कार्यों की जानकारी साझा की उन्होंने बताया कि बिलासपुर मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 193.970 MT की लोडिंग कर भारतीय रेल में दूसरा सबसे अधिक लोडिंग वाला करने वाला मंडल बना है 7 यह पिछले वर्ष की तुलना में 4.27 MT अधिक है। इसके अलावा, मंडल ने मार्च 2026 में कुल माल ढुलाई का रिकॉर्ड 18.31 MT लोड किया है, जो किसी भी महीने के लिए अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। इसके साथ ही मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के समय पालन में 11.11 फीसदी का सुधार किया गया है बुनियादी ढांचा विकास इस वर्ष मंडल में अतिरिक्त तीसरी और चौथी लाइनों को चालू करने से, बढ़ते ट्रैफिक जाम से निपटने और डिवीजन में ट्रैफिक की आवाजाही को आसान बनाने में भी मदद मिली है। तीसरी लाइन कमीशनिंग – कुल 38.2 किमी - जिसमें चाँदिया रोड से विलायत कलाँ 8.3 किमी तथा बीरसिंहपुर-उमरिया 29.9 किमी शामिल हैं चौथी लाइन कमीशनिंग 47.2 किमी जिसमें जामगा-कोतरलिया 8.5 किमी , उरगा-कुसमुंडा 12.6 किमी तथा कोतरलिया-भूपदेवपुर -26.1 किमी शामिल है ऑटो सिग्नलिंग 32 रूट किमी जिसमें कोतरलिया-जामगा,चांपा-सारागाँव, रायगढ़-कोतरलिया तथा रायगढ़-किरोड़ीमल नगर सेक्शन शामिल है गति में वृद्धि - 131.39 RKM से अधिक के सेक्शन में गति बढ़ाई गई। यात्रियों के लिए सुविधाएं और सेवाएं- मोबाइल टिकटिंग में पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 (16.86 करोड़) की तुलना में 17.79 करोड़ यानी 05.51त्न की बढ़त दर्ज की गई है। ATVM फैसिलिटेटर्स की संख्या 10 (2024-25) से बढ़कर 30 (वित्तीय वर्ष 2025-26) हो गई है। वर्तमान में, मंडल में 55 स्थानों पर 55 STBA (NSG-4: 3, NSG-5: 13, NSG-6: 39) कार्यरत हैं। मंडल भर में कुल 33 PRS स्थानों को अपग्रेड किया गया है, जिसमें 44 TS काउंटरों को एकीकृत टिकटिंग सेवाओं के लिए UTS-सह-PRS काउंटरों में परिवर्तित किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए नागपुर रोड हाल्ट पर M-UTS प्रणाली के माध्यम से टिकटिंग की सुविधा लागू की गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए, विशेष रूप से व्यस्त समय (peak hours) के दौरान, BSP (6), RIG (3), NIA (1) और रु (1) स्टेशनों पर 11 M-UTS प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं। मंडल भर में कुल 44 PRS प्रणालियों को सफलतापूर्वक GUI-आधारित PRS प्रणाली से सुसज्जित किया गया है ट्रेन संख्या 22170/69 हमसफर एक्सप्रेस का अनूपपुर स्टेशन पर, 22408/07 निजामुद्दीन-अम्बिकापुर एक्सप्रेस का कोतमा स्टेशन पर और 18478/77 उत्कल एक्सप्रेस का वेंकटनगर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव (stoppage) की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मंडल ने भारतीय रेलवे में टिकट जांच से होने वाली आय के मामले में चौथा स्थान प्राप्त किया है। SECR में पहली बार, BSP स्टेशन पर पैकेटबंद वस्तुओं के लिए एक स्वचालित वेंडिंग मशीन (AVM) स्थापित की गई है। वर्तमान में, कुल 05 ॒ढ्ढरू कार्यरत हैं (BSP-02, रु-01, RIG-01, CPH-01)। BSP मंडल में कुल 10 वाटर वेंडिंग मशीनें (04- BSP, 02- PND, 4-USL) चालू की गई हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 18 हो गई है। छह नई वाटर वेंडिंग मशीन उपलब्ध कराने हेतु टेंडर दे दिया गया है और उन्हें जल्द ही चालू किया जाएगा। स्श्वष्टक्र में पहली बार, BSP स्टेशन पर स्व चालित डिजिटल लॉकर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। SECR में पहली बार, रु स्टेशन पर स्मार्ट कार्ड-आधारित एक्सेस-नियंत्रित पार्किंग प्रणाली उपलब्ध कराई गई है। SECR में पहली बार, BSP और रुस्टेशनों पर RAPIDO द्वारा राइड-हेलिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई है। स्श्वष्टक्र में पहली बार, प्राथमिक स्वास्थ्य जांच के लिए BSP में एक हेल्थ कियोस्क उपलब्ध कराया गया है। दिव्यांगजनों के लिए ID कार्ड, जो पहले मैन्युअल रूप से जारी किए जाते थे, अब ऑनलाइन जारी किए जा रहे हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में जारी किए गए 31 ढ्ढष्ठ कार्डों की तुलना में, वित्त वर्ष 2025-26 में 162 ऑनलाइन ID कार्ड जारी किए गए हैं।वाणिज्यिक विभाग ने दिव्यांगजनों, बच्चों और वरिष्ठ नागरिक यात्रियों के मुफ्त परिवहन के लिए दो बैटरी-चालित इलेक्ट्रिक रिक्शा उपलब्ध कराए हैं। दागोरा स्टेशन पर प्लेटफ़ॉर्म नंबर 2 और 3 पर 2 PF शेल्टर का विस्तार किया गया है शहडोल स्टेशन के तीनों पर PF शेल्टर का निर्माण किया गया है। शहडोल के लोको कॉलोनी में सबमर्सिबल पंप के साथ एक बोरवेल और एक नया ओवरहेड टैंक (क्षमता 42,000 लीटर) चालू किया गया है। साथ ही शहडोल स्टेशन पर कोच में पानी भरने के लिए हाइड्रेंट पाइपलाइन लगाया गया जिससे हर मौसम में पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। टेंगनमाड़ा स्टेशन पर प्लेटफ़ॉर्म नंबर 2 और 3 प्लेटफ़ॉर्म में प्लेटफार्म राइसिंग का कार्य किया गया इस वर्ष किए गए अन्य कार्य- 16 लोकोमोटिव को सफलतापूर्वक 'कवच' (ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली) से सुसज्जित किया गया है । चक्रधरनगर ब्लॉक केबिन को एक नया स्टेशन के रूप में चालू किया गया हैपेंड्रारोड स्टेशन पर पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर कनेक्टिविटी पूरी की गई। 26 स्थानों के लक्ष्य के मुकाबले 59 स्थानों पर स्वचालित फायर अलार्म डिटेक्सन प्रणाली का प्रावधान किया गया भनवारटंक टनल में कम्युनिकेशन सिस्टम स्थापित किया गया । वर्ष 2025-26 के दौरान ?24,196.83 करोड़ रुपए की आय अर्जित की गई , जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 3.59त्न अधिक है; पिछले वर्ष यह 23,357.57 करोड़ थी। BSP कोचिंग डिपो में LHB कोचों के रखरखाव के लिए सुविधाओं का निर्माण। साथ ही पिट लाइन संख्या 1 का नवीनीकरण साथ ही वंदे भारत ट्रेन के बेहतररखरखाव हेतु पिट लाइन संख्या 4 की लंबाई बढ़ाने के साथ ही ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन का कार्य किया गया लगभग ?150 करोड़ की वंदे भारत ट्रेन के रखरखाव हेतु कोचिंग डिपो का निर्माण कराया जा रहा है बिलासपुर नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को 'सर्वश्रेष्ठ रखरखाव रेक' का पुरस्कार प्राप्त हुआ । **सुरक्षा-** ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत 189 (106 लड़के + 83 लड़कियां) बच्चों का रेसक्यू कर उनके परिवार जनों से मिलवाया गया ऑपरेशन अमानत' के तहत 87.92 लाख रुपये का छूटा हुआ सामान बरामद किया गया और यात्रियों को सौंप दिया गया। **ह्रष्ठक्कस्** अधिनियम के तहत 60 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और 1.32 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए गए। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'मेरी सहेली' टीम द्वारा कुल 75,516 अकेली महिला यात्रियों की सहायता की गई।

अरपा सायक्लोथॉन बिलासपुर 2026 का भव्य आयोजन 5 अप्रैल को........

फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का दिया जाएगा संदेश

बिलासपुर। फिटनेस, स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए ईंधन बचत के लिए साइक्लिंग संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अरपा सायक्लोथॉन बिलासपुर 2026 का आयोजन आगामी 5 अप्रैल को किया जाएगा। सुबह 5.30 मिनट पर शुरू होने वाली 25 किलोमीटर लंबी इस सायक्लोथॉन रेस का शुभारंभ मुंगेली नाका ग्राउंड, बिलासपुर से होगा। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने नागरिकों से आयोजन में भागीदारी की अपील की है। प्रतियोगिता में पुरुष (गियर एवं बिना गियर सायकल) तथा महिला वर्ग की अलग-अलग रेस आयोजित की जाएंगी। विजेताओं के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। पुरुष वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः रू 10,000, रू 7,000 एवं रू 5,000 की राशि प्रदान की जाएगी, वहीं महिला वर्ग में रू 5,000, रू 3,000 एवं रू 2,000 के पुरस्कार निर्धारित हैं। इसके अतिरिक्त शीर्ष 10 पुरुष एवं शीर्ष 6 महिला प्रतिभागियों को विशेष नकद सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने आयोजन को वर्तमान समय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया, सायकल से न केवल ईंधन की बचत होती है बल्कि यह स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए भी एक महत्वपूर्ण साधन है दोनों अधिकारियों ने आयोजकों को शुभकामनाएं दी और नागरिकों से आयोजन में भागीदारी की अपील की। आयोजन में सभी प्रतिभागियों को रिफ्रेशमेंट एवं फिनिशर सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। साथ ही, बिलासपुर के बाहर से आने वाले प्रतिभागियों के लिए रात्रि विश्राम एवं भोजन की विशेष व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। इस आयोजन में शहर के अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा सहयोग किया जा रहा है। प्रतियोगिता के लिए पंजीयन ऑनलाइन फ्त् कोड के माध्यम से किया जा सकता है। पंजीयन शुल्क पुरुष वर्ग के लिए रू 299 तथा महिला वर्ग के लिए रू 149 निर्धारित किया गया है। इस आयोजन के प्रमुख आयोजक संतोष गुप्ता, प्रदीप साहू और छत्तीसगढ़ सोशल मीडिया सोसाइटी हैं। उल्लेखनीय है कि संतोष गुप्ता एक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक हैं, जिन्होंने गोल्डन क्वाड्रिलेटरल को मात्र 24 दिनों में पूरा कर देशभर में विशेष पहचान बनाई है वे सायकल के माध्यम से लोगों को फिटनेस और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दे रहे है। प्रदीप साहू छत्तीसगढ़ गाइड नामक लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का संचालन करते हैं और वे आई आईटी कानपुर के पूर्व छात्र भी हैं। उनके पेज पर छत्तीसगढ़ गाइड के माध्यम से प्रदेश की कला संस्कृति को प्रचारित किया जाता है। प्रदीप साहू ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को फिटनेस, खेल एवं सकारात्मक सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना है। आयोजकों द्वारा नागरिकों से प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई है।

अकलतरा में चौथी लाइन कनेक्टिविटी कार्य के कारण निरस्त/आंशिक रूप से निरस्त ट्रेनों को किया गया रिस्टोर

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत अकलतरा स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी हेतु किए जा रहे नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पूर्व में निरस्त एवं आंशिक रूप से निरस्त की गई यात्री ट्रेनों को अब रिस्टोर किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्न विभिन्न पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन पुनः प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। यह बहाली निर्धारित अवधि के दौरान चरणबद्ध रूप से की गई है

रिस्टोर की गई ट्रेनें-गाड़ी संख्या 68737 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू को -03.04.2026 से 07.04.2026 तक के लिए रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68738 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू को - 03.04.2026 से 07.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68736 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू को - 03.04.2026 से 06.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68735 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू को - 04.04.2026 से 07.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68746 (रायपुर-गेवरारोड) मेमू को - 03.04.2026 से 06.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68745 (गेवरारोड-रायपुर) मेमू को - 04.04.2026 से 07.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 58204 (रायपुर-कोरबा) पैसेंजर को - 03.04.2026 से 06.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 58203 (कोरबा-रायपुर) पैसेंजर को - 04.04.2026 से 07.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68734 (बिलासपुर-गेवरारोड) मेमू को - 03.04.2026 से 07.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68733 (गेवरारोड-बिलासपुर) मेमू को - 03.04.2026 से 07.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68732 (बिलासपुर-कोरबा) मेमू को - 03.04.2026 से 07.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68731 (कोरबा-बिलासपुर) मेमू को - 03.04.2026 से 07.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी

शॉर्ट टर्मिनेटेड/ओरिजिनेटेड ट्रेनों को किया गया रिस्टोर- गाड़ी संख्या 68861 गोंदिया -झारसुगुड़ा मेमू को 04.04.2026 से 07.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार गोंदिया से झारसुगुड़ा तक चलेगी गाड़ी संख्या 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू को -04.04.2026 से 07.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार झारसुगुड़ा से गोंदिया तक चलेगी यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा ह्रञ्जश्वस्/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त कर तदनुसार यात्रा प्रारंभ करें।

एलटीटी-सांतरागाछी-एलटीटी के मध्य 13-13 फेरों के लिए साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन....

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है वाणिज्यिक ठहराव

बिलासपुर। ग्रीष्मकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु एलटीटी-सांतरागाछी-एलटीटीके मध्य 13-13 फेरों के लिए साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है । गाड़ी संख्या 01001 एलटीटी-सांतरागाछी साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन एलटीटी से दिनाँक 21 अप्रैल से 14 जुलाई 2026 तक (13 फेरा) प्रत्येक मंगलवार को चलेगी इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01002 सांतरागाछी-एलटीटी साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन सांतरागाछी से दिनाँक 23 अप्रैल से 16 जुलाई 2026 तक (13 फेरा) प्रत्येक गुरुवार को चलेगी इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है गाडी की समय सारिणी -गाड़ी संख्या 01001 एलटीटी-सांतरागाछी साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन एलटीटी से प्रत्येक मंगलवार को 20.15 बजे रवाना होगी तथा ठाणे आगमन 20.40 बजे, प्रस्थान 20.43 बजे, कल्याण आगमन 21.10 बजे, प्रस्थान 21.13 बजे दूसरे दिन नासिक रोड आगमन 00.15 बजे, प्रस्थान 00.18 बजे, भुसावल आगमन 03.35 बजे, प्रस्थान 03.40 बजे, अकोला आगमन 05.55 बजे, प्रस्थान 05.57 बजे, बडनेरा आगमन 07.55 बजे , प्रस्थान 07.58 बजे, नागपुर आगमन 10.15 बजे, प्रस्थान 10.20 बजे, गोंदिया आगमन 11.53 बजे, प्रस्थान 11.55 बजे, दुर्ग आगमन 14.10 बजे, प्रस्थान 14.15 बजे, रायपुर आगमन 14.50 बजे, प्रस्थान 14.55 बजे, बिलासपुर आगमन 16.35 बजे, प्रस्थान 16.50 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 20.03 बजे, प्रस्थान 20.05 बजे, राउरकेला आगमन 21.40 बजे, प्रस्थान 21.48 बजे, चक्रधरपुर आगमन 23.30 बजे, प्रस्थान 23.35 बजे तीसरे दिन टाटानगर आगमन 00.30 बजे, प्रस्थान 00.35 बजे, खड़गपुर आगमन 02.45 बजे, प्रस्थान 02.50 होते हुये 05.00 बजे सांतरागाछी पहुंचेगी । इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01002 सांतरागाछी-एलटीटी साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन सांतरागाछी से प्रत्येक गुरुवार को 15.50 बजे रवाना होगी तथा खड़गपुर आगमन 17.15 बजे, प्रस्थान 17.20 बजे, टाटानगर आगमन 19.30 बजे, प्रस्थान 19.35 बजे, चक्रधरपुर आगमन 20.50 बजे, प्रस्थान 20.55 बजे, राउरकेला आगमन 22.20 बजे, प्रस्थान 22.28 बजे दूसरे दिन झारसुगुड़ा आगमन 00.05 बजे, प्रस्थान 00.07 बजे, बिलासपुर आगमन 03.50 बजे, प्रस्थान 04.00 बजे, रायपुर आगमन 05.35 बजे, प्रस्थान 05.40 बजे, दुर्ग आगमन 06.30 बजे, प्रस्थान 06.35 बजे, गोंदिया आगमन 08.33 बजे, प्रस्थान 08.35 बजे, नागपुर आगमन 10.50 बजे, प्रस्थान 10.55 बजे, बडनेरा आगमन 13.37 बजे, प्रस्थान 13.40 बजे, अकोला आगमन 14.37 बजे, प्रस्थान 14.40 बजे, भुसावल आगमन 16.40 बजे, प्रस्थान 16.45 बजे, नासिक रोड आगमन 20.00 बजे, प्रस्थान 20.03 बजे, कल्याण आगमन 22.42 बजे, प्रस्थान 22.45 बजे, ठाणे आगमन 23.05 बजे, प्रस्थान 23.08 बजे होते हुये 23.45 बजे एलटीटी पहुंचेगी । इस समर स्पेशल ट्रेन में 04 जनरल, 04 स्लीपर, 10 एसी-III इकॉनमी, 02 एसी-II कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी । यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें। उक्त विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

सेमरा-करमा में 3 अप्रैल को राजस्व शिविर होगा

लंबित राजस्व मामलों का होगा निराकरण

बिलासपुर। राजस्व मामलों के निराकरण के लिए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशानुसार जिले में राजस्व पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 3 अप्रैल 2026 को बेलतरा तहसील के ग्राम सेमरा एवं करमा में शिविर लगाकर राजस्व मामलों से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। शिविर में तहसीलदार श्रीमती मनीषा झा एवं नायब तहसीलदार श्री सहोरिक यादव उपस्थित रहेंगे। राजस्व पखवाड़ा का आयोजन तीन चरणों में किया जा रहा है। प्रथम चरण 01 अप्रैल से 15 अप्रैल, द्वितीय चरण 04 मई से 18 मई तथा तृतीय चरण 01 जून से 15 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इन शिविरों में राजस्व अमला गांव स्तर पर पहुंचकर विभिन्न लंबित प्रकरणों का निराकरण करेगा। अभियान के तहत अविवादित नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, नक्शा बंटांकन, व्यपवर्तन एवं वृक्ष कटाई से संबंधित समय-सीमा से बाहर प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। साथ ही फौती नामांतरण, बंटवारा एवं अभिलेख त्रुटि सुधार के प्रकरणों का ऑनलाइन पंजीयन, नोटिस जारी कर सुनवाई एवं निराकरण भी शिविर स्थल पर ही किया जाएगा। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे शिविर में ज्यादा से ज्यादा उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाएं।

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती हैं। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

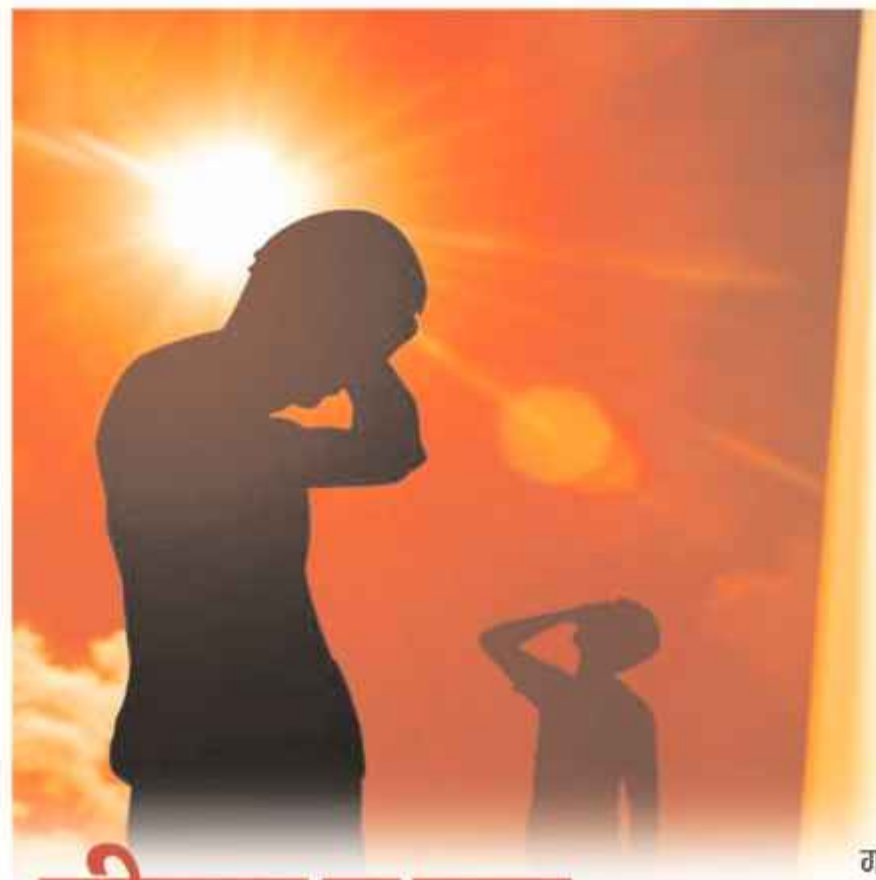

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजाने में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को

दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचड़ी खाने से आराम मिलता है।

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। अब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डियो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां ये साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर है। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा है आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती है क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

हनुमान जयंती पर सेक्टर 9 मंदिर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

सुबह से दर्शन करने भक्तों की लगी लंबी कतार, देर रात तक चलता रहा पूजा अर्चना

भिलाई के सेक्टर 9 स्थित हनुमान मंदिर में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, सुबह से लगी भक्तों की लंबी कतार (सभी फोटोः नाहीद शेख)

भिलाई/विशेष संवाददाता। भिलाई के सेक्टर 9 हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती के अवसर पर आस्था और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा है।

सुबह से ही यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। भक्त कतारबद्ध होकर राम भक्त हनुमान के दर्शन करते रहे और पूरे मंदिर परिसर में जय श्रीराम और जय हनुमान के जयघोष गूंजते रहे ।

हनुमान जयंती के अवसर पर मंदिर परिसर में विशाल महाभंडारे का आयोजन भी किया गया है, जहां हजारों नहीं बल्कि लाखों की संख्या में भक्त प्रसाद ग्रहण किए।

स्थानीय लोगों की मानें तो सेक्टर 9 हनुमान मंदिर को लेकर विशेष आस्था जुड़ी हुई है। यहां आने वाले भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना हनुमानजी अवश्य पूर्ण करते हैं।

इस मंदिर से जुड़ा एक ऐतिहासिक और आस्था से भरा प्रसंग भी है। बताया जाता है कि जब भिलाई स्टील प्लांट द्वारा कर्मचारियों के लिए अस्पताल निर्माण किया जा रहा था, उस दौरान इस मंदिर को हटाने के प्रयास किए गए। लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद मंदिर को हटाया नहीं जा सका। इतना ही नहीं, उसी दौरान अस्पताल में होने वाले ऑपरेशनों में भी लगातार परेशानियां आने लगीं।

इसके बाद बीएसपी प्रबंधन द्वारा हनुमान जी को यथास्थान विधिविधान से पुनः स्थापित किया । तभी से इस मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास और भी मजबूत होता चला गया। लोगों का कहना है कि डाक्टर भी अस्पताल जाने से पहले इस मंदिर में पूजा अर्चना करते हैं।

बता दें,हनुमान जयंती के मौके पर सेक्टर 9 हनुमान मंदिर पूरी तरह भक्ति के रंग में रंगा रहा और देर रात तक श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है

हनुमान जयंती पर IG विवेकानंद सिन्हा ने सेक्टर 9 हॉस्पिटल स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे और पूजा अर्चना किया।

थानावार नियुक्त ईआरव्ही के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण किया गया आयोजित

बेमेतरा जिले में शीघ्र ही डायल-112 सेवा को गांव-गांव तक पहुंचाने की तैयारी

बेमेतरा। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं उपस्थिति में डायल-112 सेवा की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं सुचारू बनाने के उद्देश्य से थानावार नियुक्त ईआरव्ही के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा में आयोजित की गई। प्रशिक्षण के दौरान डायल-112 के माध्यम से प्राप्त होने वाले आपातकालीन कॉल पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रिस्पॉन्स टाइम पर विशेष ध्यान देने, घटनास्थल पर शीघ्र पहुंच सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही, ड्यूटी के दौरान सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण में ईआरव्ही स्टाफ की सक्रिय सहभागिता रही। आपातकालीन कॉल पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने, पीड़ितों को समय पर सहायता प्रदान करने तथा जनसुरक्षा से संबंधित मामलों में समन्वय एवं सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। जिले में डायल-112 सेवा के सुदृढ़ क्रियान्वयन हेतु नई अत्याधुनिक वाहनों की शुरुआत की जानी है, जिनमें जीपीएस, वायरलेस, डिजिटल नेविगेशन एवं लाइव लोकेशन ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। बहुत जल्द बेमेतरा जिले में डायल-112 सेवा को गांव-गांव तक पहुंचाने की योजना है, जिससे आमजन को त्वरित एवं प्रभावी सहायता मिल सकेगी। प्रशिक्षण कार्यशाला में डायल-112 सेवा के क्रियान्वयन हेतु ईआरव्ही स्टाफ को आवश्यक बेसिक जानकारी प्रदान करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, डीएसपी शशीकला उइके एवं डायल-112 प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विष्णु सपे, आरक्षक विजेन्द्र टंडन, जिले के थाना/चौकी से राजेन्द्र जायसवाल, छन्नू प्रसाद टंडन, धाकचंद बंजारे, यशवंत यादव, योगेन्द्र सोनी, प्रमोद पाण्डेय, राहुल राजपूत, सनत बघले, आसिफ खान, दीपक ठाकुर, धर्मेन्द्र साहू, सुरेश नारंग, देवनारायण साहू, दीनदयाल डहरिया, राजू धीवर, भोला साहू, भुपेन्द्र चंद्रवंशी, मेलाराम, शिव यादव, सुरेश साहू, विजेन्द्र टंडन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम रूही में निकली श्रीराम की भव्य शोभायात्रा

युवा नेता राजा सिंगौर के नेतृत्व में युवाओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

पाटन। ब्लॉक के ग्राम रूही में श्री राम भक्त परिवार द्वारा भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। इस आयोजन ने पूरे गांव को भक्तिमय माहौल में सराबोर कर दिया। शोभायात्रा की शुरुआत शीतला मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद यात्रा पूरे गांव की गलियों से होकर निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए और जगह-जगह भगवान श्रीराम का स्वागत किया गया। इस भव्य आयोजन का नेतृत्व युवा सामाजिक कार्यकर्ता राजा सिंगौर ने किया। उनके मार्गदर्शन में यात्रा सुव्यवस्थित और आकर्षक रूप से संपन्न हुई। कार्यक्रम में आनंद घुमाल पचरी पारा दुर्ग द्वारा मनमोहक गीत-संगीत और आकर्षक लाइटिंग की प्रस्तुति दी गई, जिसने शोभायात्रा की भव्यता को और बढ़ा दिया। ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों की धुन पर युवा झूमते नजर आए। इस आयोजन को सफल बनाने में श्री राम भक्त परिवार के अध्यक्ष हेमंत लोधी, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र लोधी सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। पूरे आयोजन के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला, जिससे गांव का माहौल पूरी तरह भक्तिमय और उत्सवपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कीर्ति नायक जनपद अध्यक्ष पाटन, सुरेश सिंगौर युवा प्रदेश अध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़, राजा सिंगौर, छगन सिंगौर, हेमन्त सिंगौर, भोला सिंगौर, परमेश्वर, प्रकाश, उत्तम, राहुल, रोशन, सागर, रुस्तम, गोविंद, दीपक, भोजू, दीवा, लवकुश चंद्राकर, नारायण पटेल, परमात्मा जांगड़े, ओमप्रकाश, राजू, राजकुमार ठाकुर, साहिल ठाकुर, राकेश, गोजू, द्वारिका प्रसाद कौशिक, अश्वनी, टीकेश, दीपक, आर्यन, जगेश्वर, धर्मेंद्र, रूपेश, पिंटू, रितिक, दीपक, दीपक, संजय, दिनेश, खिलेशवर, उमेश, हिमांशु, शुभम्, सुनील कोमल सहित अन्य मौजूद रहे।

3 महीने में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर 38 लाख की ठगी

रायपुर से मास्टरमाइंड गिरफ्तार

दुर्ग । कम समय में पैसा दोगुना करने का लालच देकर करोड़ों की चपत लगाने वाले एक शातिर ठग को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने फर्जी कंपनियां बनाकर दुर्ग के एक निवासी से 38,25,000 रुपये की धोखाधड़ी की थी। वैशाली नगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को रायपुर के सड्डु इलाके से हिरासत में लिया है।

आरोपी धर्मेन्द्र कुमार बंजारे

फर्जी कंपनियों का मायाजाल- प्रार्थी जयदीप सिंह कंडा (35 वर्ष), निवासी संतराबाड़ी ने थाना वैशाली नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी धर्मेन्द्र कुमार बंजारे और उसके साथियों ने A-M-S Solution और M/s R-V Group Company के नाम से फर्जी निवेश योजनाएं चलाई थीं। आरोपियों ने जयदीप को झांसा दिया कि उनकी कंपनी में निवेश करने पर मात्र 3 महीने में रकम दोगुनी हो जाएगी। इस झांसे में आकर प्रार्थी ने कुल 38.25 लाख रुपये गंवा दिए।

रायपुर के सड्डु से हुई गिरफ्तारी- शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(4) और 3(5) के तहत अपराध क्रमांक 128/2026 पंजीबद्ध किया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की लोकेशन ट्रैक की और 31 मार्च 2026 को रायपुर के सड्डु (हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी) से धर्मेन्द्र कुमार बंजारे को घर दबोचा।

आरोपी ने कबूला जुर्म- कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने आर्थिक लाभ के लिए ठगी करने की बात स्वीकार कर ली है। पुलिस ने मामले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त कर लिए हैं और अन्य फरार साथियों की तलाश की जा रही है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी ऐसी लुभावनी योजना के झांसे में न आएं जो बहुत कम समय में पैसा दोगुना करने का दावा करती हो। निवेश से पहले कंपनी की वैधानिकता की जांच अवश्य करें।

अमलेश्वर नगर पालिका में विकास ठप, अव्यवस्थाओं से जूझ रहे जनप्रतिनिधि और नागरिक

अमलेश्वर। दुर्ग जिले अंतर्गत नगर पालिका परिषद अमलेश्वर इन दिनों अपनी बदहाली को लेकर चर्चा में है। नगर में विकास कार्यों की कमी और प्रशासनिक अव्यवस्था को लेकर जनप्रतिनिधियों तथा नागरिकों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। जनप्रतिनिधि लगातार विकास कार्यों की मांग उठा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्य नजर नहीं आ रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में प्रशासनिक समन्वय का अभाव बना हुआ है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) और पार्षदों के बीच तालमेल की कमी को विकास कार्यों में बड़ी बाधा माना जा रहा है।भाजपा के ट्रिपल इंजन की सरकार में भी नगर उपेक्षित है। इस स्थिति को लेकर नगर के चौक-चौराहों पर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि उन्हें आय-व्यय संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए भी आवेदन देना पड़ रहा है, जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मुद्दे पर विपक्ष के नेताओं ने भी कड़ी नाराजगी जताई है। वहीं, नगर पालिका कार्यालय में पार्षदों एवं विपक्ष के नेताओं के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था तक नहीं हो पाई है, जिससे असंतोष और बढ़ गया है।

नगर पालिका उपाध्यक्ष ओमप्रकाश साहू ने भी इस स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्थानांतरित अभियंता के अटैचमेंट पर सवाल उठाए हैं, जिसके कारण आवश्यक कक्ष उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इसके अलावा, नगर पालिका कार्यालय स्वयं एक छोटे से भवन में संचालित हो रहा है, जहां अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी पर्याप्त स्थान नहीं है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि अमलेश्वर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र के लिए सर्वसुविधायुक्त नगर पालिका भवन की अत्यंत आवश्यकता है, लेकिन इस दिशा में राज्य सरकार की ओर से कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही है। उल्लेखनीय है कि अमलेश्वर को 21 जनवरी 2022 को राज्य सरकार की अधिसूचना के तहत नगर पालिका परिषद का दर्जा प्राप्त हुआ था। इसे ग्राम पंचायत से उन्नत कर 20 वर्षों के विकास प्लान के साथ एक प्रमुख नगरीय निकाय के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई थी। रायपुर से सटे इस क्षेत्र में 10 विभागों और 13 से अधिक प्रशासनिक सेटअप के माध्यम से विकास कार्यों को गति देने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन वर्तमान हालात उस योजना पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं।

पाहंदा (अ) ग्राम पंचायत की हालत बदहालः क्षतिग्रस्त शौचालय की मरम्मत नहीं, प्रशासन मौन

■ क्षतिग्रस्त शौचालय के संपर्क में आ रहे हैं नन्हे मुन्ने बच्चे।

अमलेश्वर। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पाहंदा (अ) की स्थिति सत्ता परिवर्तन के बाद बेहद चिंताजनक हो गई है। भाजपा सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के बावजूद भी गांव में क्षतिग्रस्त सार्वजनिक शौचालय का पुनर्निर्माण या मरम्मत कार्य आज तक पूरा नहीं हो सका है। ज्ञात हो कि पाहंदा से अमलेश्वर मार्ग के चौड़ीकरण कार्य के दौरान सड़क किनारे स्थित सर्व सुविधायुक्त सार्वजनिक शौचालय का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। लेकिन लंबे समय बीत जाने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है, जिससे आम जनता को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से चिंता का विषय यह है कि यह शौचालय ग्राम पाहंदा (अ) के मुख्य बाजार चौक, यानी हृदय स्थल पर स्थित है, जहां प्रतिमाह एक-दो सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। वर्तमान में गर्मी की छुट्टियों के चलते बच्चे भी इस स्थान पर खेलने पहुंच रहे हैं।

या फिर लघु संका के लिए पहुंच रहे हैं। और क्षतिग्रस्त शौचालय के संपर्क में ऐसी स्थिति में यदि कोई बच्चा क्षतिग्रस्त शौचालय के संपर्क में आकर दुर्घटनाग्रस्त होता है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी–यह एक बड़ा प्रश्न है। बावजूद इसके, प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर अब तक मौन साधे हुए है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से शीघ्र मरम्मत कार्य कराए जाने की मांग की है, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके और आमजन को सुविधा मिल सके।

ढाबा में पानी की किल्लत, टंकी लगेगी, टैंकरों से भी सप्लाई के निर्देश

पानी की कमी, लोगों का फूटा था गुस्सा, महापौर ने किया निरीक्षण

राजनांदगांव। शहर के ढाबा वार्ड में पानी की समस्या हो रही है, लोग हलाकान है। इसे लेकर महापौर मधुसूदन यादव ने वार्ड का निरीक्षण किया और वार्डवासियों से बातचीत की। यहां लोगों ने बताया कि पानी की सप्लाई नियमित नहीं होती, टैंकरों से भी पानी नहीं मिल रहा है। इस कारण गर्मी के सीजन में दिक्कत आ रही है। इस पर महापौर ने एरिया में प्लास्टिक टैंक लगाने और टैंकर से नियमित पानी सप्लाई करने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि पंचायत भवन के पास बोर खनन के निर्देश दिए तथा बरबट्टी कुआं से पंप के माध्यम से नया ढाबावासियों को जल प्रदाय किया जाए। इसके अलावा प्रभावित क्षेत्र में

टैंकर से भी पेयजल आपूर्ति करने कहा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की वैकल्पिक व्यवस्था से पानी समस्या का निराकरण हो सकेगा। महापौर यादव ने अधिकारियो से कहा कि अपने अपने प्रभावित वार्ड में पेयजल समस्या वाले क्षेत्रों को चिन्हांकित कर सिंटेक्स टंकी या टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई करे।

हैंडपंपों की भी मरम्मत की जाए

महापौर ने कहा कि टंकी पूरी भरने के पश्चात ही वाल्व खोले, पानी का अपव्यय न हो। इसका विशेष ध्यान रखे, वार्डो के हैण्ड पंपों की आवश्यकता अनुसार मरम्मत करे। उन्होंने मोटर प्रतिपालन विभाग के प्रभारी से कहा कि सभी टैंकर दुरूस्त रखकर वार्डों में लगे सिंटेक्स टंकी को समय समय पर भरे, आवश्यकतानुसार टैंकर से पानी सप्लाई करे। उन्होंने अधिकारियो से कहा कि कम पानी आने या पानी नही आने की शिकायतों को गंभीरता से लेकर प्राथमिकता से उसका समाधान करें।

संडे मार्केट को पूर्ववत संचालित रखने की मांग व्यापारियों ने रैली निकालकर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

रायगढ़। शहर के इतवारी बाजार को पूर्ववत संचालित करने की मांग को लेकर रविवार को इतवारी बाजार संगठन के व्यापारियों ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया। इस दौरान व्यापारियों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए बाजार को उसी स्थान पर लगाने की लिखित अनुमति देने की मांग की। व्यवसायियों के इस प्रदर्शन को कांग्रेस का भरपूर समर्थन मिला। गौरतलब हो कि कलेक्टर के नाम सौंपे गए ज्ञापन में व्यापारियों ने बताया कि शहर में वर्षों से हर रविवार को साप्ताहिक इतवारी बाजार लगता आ रहा है, जिसमें लगभग 1000 के आसपास दुकानें लगती हैं। यहां सिर्फ सब्जी ही नहीं बल्कि दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं की भी बिक्री होती है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार परिसर में

ऑक्सीजन जोन का निर्माण प्रस्तावित होने के समय भी जनप्रतिनिधियों द्वारा आश्वासन दिया गया था कि सप्ताह के छह दिन ऑक्सीजन जोन और फूड जोन संचालित होंगे, जबकि रविवार के दिन पूर्व की तरह इतवारी बाजार लगेगा और उस दिन ऑक्सीजन जोन व फूड जोन की दुकानें बंद रहेंगी।व्यापारियों ने आरोप लगाया कि पिछले सप्ताह इतवारी बाजार के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर बाजार संचालन पर रोक लगा दी गई। जिससे छोटे-बड़े व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उनका कहना है कि अधिकांश दुकानदारों के पास आजीविका का यही एकमात्र साधन है, ऐसे में बाजार बंद होने से परिवार के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकता है। व्यापारियों ने कलेक्टर से मांग की है कि साप्ताहिक इतवारी बाजार को पूर्ववत उसी परिसर में लगाने की लिखित अनुमति दी जाए, ताकि दुकानदार बिना किसी भय और परेशानी के अपना व्यवसाय कर सकें और जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए आश्वासन पर भरोसा बना रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com